सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 290 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 03 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नदी में नहाने गए बच्चे तेज बहाव में फंसे, मौके पर मौजूद महिलाओं ने सूझबूझ से बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। मगरलोड क्षेत्र में नदी में नहाने गए दो बच्चे अचानक तेज बहाव में फंस गए। मौके पर मौजूद महिलाओं ने बिना देर किए साहस दिखाया और दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रदेश में हाल की बारिश के बाद नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है।

इसी बीच धमतरी जिले से मानवता और साहस की मिसाल पेश करने वाली एक घटना सामने आई है। मगरलोड क्षेत्र के मोहेरा गांव में नदी के तेज बहाव में बह रहे दो बच्चों को वहां मौजूद महिलाओं ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से सुरक्षित बचा लिया। यदि समय रहते महिलाएं मदद के लिए आगे नहीं आतीं, तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

महिलाओं के सूझ की हो रही सराहना

महिलाओं की बहादुरी और सूझबूझ की लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। मौके पर मौजूद महिलाओं ने बिना देर किए नदी में उतरकर दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि समय रहते बच्चों को बचा लिया गया और दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में नदी-नालों और पुल-पुलियों के आसपास जाने से बचें। विशेष रूप से बच्चों को अकेले नदी या तेज बहाव वाले क्षेत्रों में न जाने दें, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में दो दिन बारिश का अलर्ट, बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर ब्रिज टूटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज (3 अगस्त) कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। अगले दो दिनों तक भी प्रदेश में ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान भी प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। 1 जून से अब तक छत्तीसगढ़ में सामान्य से केवल 5 फीसदी कम बारिश हुई है, जिसे मौसम विभाग ने सामान्य श्रेणी में रखा है। लगातार बारिश से बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर बांसाझाल स्थित पुल दो हिस्सों में टूट गया। इसी दौरान पुल से गुजर रही एक यात्री बस बीच में फंस गई। सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन पुल ढहने से बिलासपुर का पेंड्रा, गौरेला, अमरकंटक, मनेंद्रगढ़ और मध्य प्रदेश के जबलपुर और शहडोल से सीधा संपर्क टूट गया है। अगले 48 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में लगा पौधा काटने पर एफआईआर

नईदिल्ली। पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए एक वृक्ष को कटवाकर फिकवाना एक दुकान संचालक को महंगा पड़ गया। नगर निगम की शिकायत पर रामपुर पुलिस ने दुकान संचालक और उसके कर्मचारी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार निहारिका क्षेत्र में नगर निगम द्वारा वृक्षारोपण अभियान के तहत सड़क किनारे पौधा लगाया गया था। आरोप है कि ममता स्टील एंपोरियम के संचालक किशोर अग्रवाल ने अपने कर्मचारी सुधीर गिरी को निर्देश देकर उस पेड़ को कटवाकर उसे फिंकवा दिया। बिना किसी अनुमति के सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की शिकायत नगर निगम की टीम ने सिविल लाइन थाना रामपुर में दर्ज कराई। मामले में रामपुर थाना प्रभारी आस्था शर्मा ने बताया कि नगर निगम द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में लगाए गए पेड़ को ममता स्टील के संचालक किशोर अग्रवाल द्वारा कटवा दिया गया। लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और किशोर अग्रवाल और उनके कर्मचारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

उपसरपंच की हत्या : लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से गोदा

दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा चौकी का मामला, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र में रविवार की रात ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप की बदमाशों ने चाकू गोदकर हत्या कर दी। वे देर रात अपने साथी के साथ वापस गांव लौट रहे थे। दौरान करहीडीह चौक के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर लूट की कोशिश की। विरोध करने पर प्रकाश सिंह कश्यप पर बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार घटना जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के करहीडीह से चिखली चौक के बीच की है। बताया जा रहा है कि ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप रविवार रात भिलाई से अपने गांव लौट रहे थे। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने प्रकाश सिंह कश्यप से मोबाइल फोन और नकदी छीनने की कोशिश की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में उपसरपंच की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के दौरान उनके साथ मौजूद व्यक्ति किसी तरह वहां से भाग निकला और पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना के बाद अज्ञात बदमाश उप सरपंच का मोबाइल फोन और करीब 4 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

सीसी टीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की गई। मृतक प्रकाश सिंह कश्यप धमधा ब्लॉक के ग्राम तुमाकला के उपसरपंच थे। उनकी पत्नी देवती बाई कश्यप वर्तमान में इसी गांव की सरपंच हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी समित मिश्रा ने बताया कि शुरुआती जांच में लूट के दौरान हत्या की बात सामने आई है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

सावन सोमवार 2026 : कवर्धा में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने 18 किलोमीटर की भव्य पदयात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। सावन माह के प्रथम सोमवार पर पूरे प्रदेश के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं कबीरधाम जिले में वर्षों पुरानी धार्मिक परंपरा के तहत कवर्धा स्थित पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर से भोरमदेव मंदिर तक 18 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। सुबह विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के बाद हजारों शिवभक्त बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ पदयात्रा पर रवाना हुए।

इस पावन यात्रा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा स्वयं श्रद्धालुओं के साथ पैदल यात्रा में शामिल हुए। उनके साथ जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अन्य प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के सदस्य, विद्यार्थी, महिलाएं और बड़ी संख्या में शिवभक्त भी पदयात्रा में शामिल रहे। पूरे मार्ग में सुरक्षा, यातायात और स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष व्यवस्था की गई थी।पदयात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जगह-जगह पेयजल, शरबत, फल एवं जलपान की व्यवस्था की। शिव भजनों की मधुर धुन, डीजे पर बजते भक्ति गीत और बोल बम के गगनभेदी जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया।

भोरमदेव मंदिर पहुंचकर किया जलाभिषेक

यह भव्य पदयात्रा भगवान भोरमदेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति, अच्छी वर्षा और जनकल्याण की कामना की। सावन के प्रथम सोमवार पर निकली यह ऐतिहासिक पदयात्रा कबीरधाम की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आई।

खदान घोटाले में भिलाई निगम की महिला पार्षद, पति और बेटे के खिलाफ FIR

■ न्यायालय के आदेश पर उतई पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ग्राम छांटा स्थित चूना पत्थर खदान, भूमि और मशीनरी के सौदे में करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में उतई पुलिस ने भिलाई निगम की महिला पार्षद रीता सिंह, उनके पति रमेशचंद सिंह राजपूत और पुत्र मानवचंद सिंह के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की है।

प्रकरण के अनुसार परिवादी बीपी सिंह ने आरोप लगाया है कि रीता सिंह, उनके पति रमेशचंद सिंह राजपूत तथा मानवचंद सिंह ने ग्राम छांटा स्थित भूमि, खदान, खनन अधिकार तथा मशीनरी का सौदा 4.50 करोड़ रुपये में किया। परिवादी का दावा है कि उन्होंने आरोपितों को अब तक 4.39 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया, लेकिन पूरी संपत्ति का वैध हस्तांतरण नहीं किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सौदे के दौरान कुछ भूमि दान भूमि, शासकीय लीज की भूमि अथवा अन्य व्यक्तियों के स्वामित्व वाली होने की जानकारी छिपाई गई। साथ ही खदान के पट्टे, मशीनरी और वाहनों के हस्तांतरण को लेकर भी कथित रूप से गलत जानकारी दी गई।

4.50 करोड़ में तय हुआ था खदान और जमीन का सौदा

परिवादी बीपी सिंह के अनुसार, उन्होंने आरोपी पार्षद रीता सिंह, उनके पति रमेशचंद सिंह राजपूत और पुत्र मानवचंद सिंह से ग्राम छांटा स्थित चूना पत्थर खदान, खनन अधिकार, जमीन और मशीनरी का सौदा 4.50 करोड़ रुपये में किया था। पीड़ित बीपी सिंह का दावा है कि उन्होंने अब तक 4.39 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया, लेकिन पूरी संपत्ति का वैध हस्तांतरण उनके नाम पर नहीं किया गया। पीड़ित ने 5 फरवरी 2026 को उतई थाना और एसपी दुर्ग से शिकायत की थी। पुलिस ने इसे शुरुआती जांच में सिविल विवाद बताया था, जिसके बाद पीड़ित ने न्यायालय में परिवाद दायर किया। न्यायालय ने इस मामले में उतई पुलिस को तुरंत एफआईआर दर्ज कर 15 दिन में रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किया।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण बरीः 3 साल बाद फैसला

नईदिल्ली ए.। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और भारतीय कुश्ती संघ (ङ्खस्नढ्ढ) के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे।

फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है।

यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। बृजभूषण तब ङ्खस्नढ्ढ प्रेसिडेंट थे। आरोप था कि नाबालिग समेत 6 महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन कोई स्नढ्ढक्र दर्ज नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद अप्रैल 2023 में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई। बाद में नाबालिग पहलवान ने शिकायत वापस ले ली थी।

2 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। तब से लेकर अब तक कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं। बृजभूषण 20 जुलाई 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था।

हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं

कोर्ट से बरी का मतलब है कि कोर्ट में अभियुक्त के खिलाफ आरोप साबित नहीं पाए, इसलिए उसे सजा नहीं दी गई। इसका यह मतलब नहीं होता कि वह दोषमुक्त हो गया है। पीड़ित महिला पहलवान इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं। इसके लिए 60 दिन के अंदर उन्हें हाईकोर्ट से विशेष अनुमति लेनी होती है। अनुमति मिलने पर वे याचिका दायर कर सकती हैं। सामान्य रूप से आवेदन और याचिका एकसाथ दायर कर दी जाती हैं।

छात्रों के विरोध प्रदर्शन मामले में शीर्ष कोर्ट में याचिका दाखिल

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 20 जुलाई के 'संसद चलो' छात्र प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के आयोजकों ने हिंसा के लिए उकसाया। याचिका में यह भी मांग की गई है कि सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलफ अभद्र सामग्री पोस्ट करने वाले नाबालिगों को आपराधिक कार्रवाई का सामना कराने के बजाय सामुदायिक सेवा कराई जाए।

वकील ने कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के आयोजक सरकार की प्रतिक्रिया के बाद भी भड़काऊ बयान देना जारी रख रहे हैं। वकील ने कोर्ट से कहा, सरकार ने काफी उदार रुख अपनाया है, फिर भी आयोजक आग को भड़का रहे हैं। आयोजक गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं और समाज में कटुता पैदा कर रहे हैं। आयोजकों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। याचिका में 20 जुलाई के प्रदर्शन के बाद दर्ज प्राथमिकियों और गिरफ्तारियों को लेकर एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार, अलग-अलग राज्यों ने प्राथमिकी वापस लेने को लेकर अलग-अलग तरीके अपनाए हैं, जिससे भ्रम और लोगों में असंतोष पैदा हो रहा है। वकील ने कहा, अलग-अलग राज्य गिरफ्तारी और प्राथमिकी को लेकर अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर रहे हैं।

संपादकीय

कावेरी की कड़वाहट

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच गहराता संकट

दक्षिण-पश्चिम मानसून के अपने पूर्वार्ध में दगा दे जाने के साथ ही, कावेरी बेसिन में जानी-पहचानी संकट की स्थिति पैदा हो गयी है। दो मुख्य नदी-तटीय राज्यों ऊपरी धारा वाले कर्नाटक और निचली धारा वाले तमिलनाडु ने इस कटु विवाद में संकट बांटने का फॉर्मूला विकसित करने की दिशा में कुछ खास प्रगति नहीं की है। हालांकि एक बार फिर कावेरी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश दोनों राज्यों के लिए मददगार बनकर आयी है। यह देखना बाकी है कि इससे सुलगती आग बुझेगी या संकीर्ण क्षेत्रीय हितों की लपटें तेज होंगी। राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है; कन्नड़-समर्थक समूहों ने 13 अगस्त को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है और डीएमके ने कावेरी तट पर होने वाले 'आदि पेरुक्कू' उत्सव वाले दिन, 3 अगस्त को तंजावुर में विरोध-प्रदर्शन की योजना बनायी है। कावेरी बेसिन में स्थित कर्नाटक के चार प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक बढ़ने के बावजूद, इस नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी कि किसानों को प्रभावित करने वाली पानी-की-किल्लत समाप्त हो गयी है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के सिंचाई का पानी नहीं छोड़ने के निर्णय से संकट में वृद्धि हुई है, हालांकि पानी देने से इस तरह के इनकार नये नहीं हैं। नतीजतन, अंतर-राज्यीय सीमा पर स्थित मापन बिंदु बिलिगुंडुलू में, सर्वाधिक बारिश वाले महीने जुलाई में निर्धारित 31 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी फीट) के मुकाबले बमुश्किल एक हजार टीएमसी फीट पानी ही मिल पाया।

> **"हालांकि एक बार फिर कावेरी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश दोनों राज्यों के लिए मददगार बनकर आयी है। यह देखना बाकी है कि इससे सुलगती आग बुझेगी या संकीर्ण क्षेत्रीय हितों की लपटें तेज होंगी। राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है; कन्नड़-समर्थक समूहों ने 13 अगस्त को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है और डीएमके ने कावेरी तट पर होने वाले 'आदि पेरुक्कू' उत्सव वाले दिन, 3 अगस्त को तंजावुर में विरोध-प्रदर्शन की योजना बनायी है। कावेरी बेसिन में स्थित कर्नाटक के चार प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक बढ़ने के बावजूद, इस नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी कि किसानों को प्रभावित करने वाली पानी-की-किल्लत समाप्त हो गयी है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के सिंचाई का पानी नहीं छोड़ने के निर्णय से संकट में वृद्धि हुई है, हालांकि पानी देने से इस तरह के इनकार नये नहीं हैं।**

शायद कमजोर मानसून के पूर्वानुमानों के आधार पर कदम उठा रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने आने वाले दिनों में पीने के पानी की भारी किल्लत का अनुमान लगाते हुए, एहतियात को ध्यान में रखकर गलत करना चुना। हालांकि, यह तमिलनाडु के लिए महंगा साबित हुआ है, जिसे 1 जून से लेकर जुलाई अंत तक केवल लगभग 3.6 टीएमसी फीट पानी मिला, जो कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 40 टीएमसी फीट का बमुश्किल 10 फीसदी था। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने, अपनी 30 जुलाई की बैठक में, कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के उस निर्देश की संपुष्टि की कि कर्नाटक को 29 जुलाई से 15 दिनों तक रोजाना बिलिगुंडुलू के लिए 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ना है। हालांकि इस मात्रा से तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा में सिंचाई की जरूरतें पूरी नहीं हुई होतीं, लेकिन इससे इकोसिस्टम को कुछ राहत जरूर मिली होती। सीडब्ल्यूएमए के निर्णय ने कर्नाटक में किसानों और राजनीतिक वर्ग को व्यग्र किया है, लेकिन कुदरत ने सीमित तरीके से हस्तक्षेप किया है। अगर कर्नाटक को मौजूदा तंत्र — सीडब्ल्यूएमए और सीडब्ल्यूआरसी — नाकाफी लगते हैं, तो वह दूसरे विकल्पों का सुझाव दे सकता है, लेकिन उसे सबसे पहले इन संस्थाओं के निर्णयों को मानना होगा, जो ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुरूप नदी-तटीय राज्यों के हितों की हिफाजत करती हैं। अपने पूर्ववर्तियों के उलट, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफविजय ने कर्नाटक के अपने समकक्ष डी.के. शिवकुमार से संपर्क साधा ङ्क लेकिन शिवकुमार ने उन्हें अपना 3 अगस्त का बेंगलुरु दौरा टालने के लिए कहा। हालांकि, इस प्रकरण से दोनों राज्यों को संकट बांटने का फॉर्मूला बनाने की नयी कोशिश से रुकना नहीं चाहिए। ऐसे फॉर्मूले के लिए पिछली कोशिश लगभग 25 साल पहले की गई थी। विजय को कावेरी मुद्दे से निपटने के मामले में, कर्नाटक के अपने समकक्ष से संकेत भी ग्रहण करना चाहिए और राज्य के अन्य राजनीतिक खिलाड़ियों को साथ लाना चाहिए।

विदेश नीति पर गहन विचार मंथन का वक्त

ज्योति मल्होत्रा

प्रधानमंत्री मोदी 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दुनिया के कुछ सबसे ताकतवर नेताओं का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैंङ्कइसके तहत वे न सिर्फ़ घरेलू स्तर पर ज़ेन ज़ी के विरोध-प्रदर्शनों से बढ़ा तनाव कम करने के लिए इंस्टाग्राम पर युवाओं को सीधे संबोधित करती सेल्फ़ी रील्स पोस्ट करने, संसद में रिकॉर्ड समय में पेपर लीक विरोधी कानून पास करने या फिर प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने जैसी व्यक्तिगत कोशिशें कर रहे हैं -बल्कि धारा के विपरीत खड़े होकर उन लोगों को भी नई दिल्ली बुलाने को इच्छुक हैं, जिन्हें अमेरिका ने वर्जित बना दिया है।

इनमें से एक व्यक्ति हैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। उनके देश के ख़िलाफ़ अमेरिकी सीनेट ने पिछले हफ़्ते भारी बहुमत (86-12 वोट) से 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट ऑफ़2026' पास किया है। इसके तहत, जो भी देश रूस से ऊर्जा या सैन्य उपकरण खरीदते हैं, उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। रशिया एक्ट में पुतिन और रूसी रक्षा उद्योग से जुड़े 20 अन्य बड़े लोगों पर भी नए प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है।

सर्वप्रथम, कुछ उघड़े तथ्य। चीन, भारत और तुर्किए रूसी ऊर्जा के चोटी के पांच खरीदारों में शामिल हैं। अमेरिका के साथ रक्षा तंत्र संधि के बावजूद - जिसमें ज़मीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस जैसे सभी क्षेत्रों में 'आपसी तालमेल' को मज़बूत करने का वादा किया गया है - भारत रूसी हथियारों का एक अहम खरीदार बना हुआ है। अमेरिकी संसद के अनुसार, 2008 से लेकर भारत के रक्षा आयात का 59 फीसदी रूस से, 12 प्रतिशत फ्रांस से, 10 फीसदी अमेरिका से और 9.5 फीसदी इस्राइल से आया है।

रूसी उपकरणों में से सिर्फ़दो-एस 400 मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल - ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पलड़ा भारी करने में अहम भूमिका निभाई थी। (यह अलग बात है कि डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष उनकी मध्यस्थता से रुका, लेकिन भारत इस बात से पुरजोर इनकार करता है।) जहां तक रूसी ऊर्जा की खरीद की बात है, वास्तविक समय में वैश्विक डेटा और विश्लेषण मुहैया करवाने वाली कंपनी 'कप्लेर' का कहना है कि मार्च-जून 2026 के दौरान रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद 20 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक रही और अब यह 30 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंचने की राह पर है। (इस अवधि में, भारत ने रूस से 244.89 मिलियन बैरल, यूएई से 58.57 मिलियन बैरल और सऊदी अरब से 57.62 मिलियन बैरल तेल खरीदा।) इसका अर्थ है कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आपूर्ति का 50 फीसदी भाग रूस से पूरा होता है, जो बहुत बड़ी बात है। साफ़ है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने और अमेरिका-ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के कारण लाल सागर में भी तनाव कम न होने की वजह से, भारत को सस्ता रूसी तेल फिर से खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसा तब हो रहा है जब भारत पहले यह वादा कर चुका है कि आसन्न अमेरिकी टैरिफके खतरे के मद्देनज़र वह इस निर्भरता को खत्म कर देगा। सवाल यह है कि क्या हाल ही में पास हुए 'रूस एक्ट' के तहत अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत इस सारे फायदे को छोड़ देगा? साफ़है, इसका जवाब 'नहीं' है। गरीबी और बेरोज़गारी जैसी बुराइयों को दूर रखने और अर्थव्यवस्था को सुचारु चलाते रहने के लिए भारत को सस्ते रूसी कच्चे तेल की ज़रूरत है। यह समझने के लिए किसी विशेषज्ञता की ज़रूरत नहीं कि जेन ज़ी (नई पीढ़ी) के विरोध प्रदर्शन सिर्फ़ नीट पेपर लीक की वजह से नहीं हुए, बल्कि बढ़ती कीमतों व नौकरियों की कमी को लेकर तेज़ी से बढ़ती निराशा की वजह से भी हुए हैं।

विदेश नीति और राष्ट्रीय हित पर मौजूदा विमर्श के साथ समस्या यह है कि असल में कोई विमर्श हो ही नहीं रहा। दिल्ली के नीति-नियंता वर्ग में आलोचना को लेकर दो चीज़ों पर अहंकारपूर्ण रवैया है - पहली, राज्यों से आने वाली राय को बहुत 'संकुचित' या 'प्रांतीय' माना जाता है- साफ़ है कि हम बृहद परिदृश्य को ठीक से नहीं समझ पा रहे हैं।

तो इसलिए चाहे पंजाब और गुजरात से अमेरिका गए अवैध प्रवासियों को ज़ंजीरों में जकड़कर वापस भेजने का दर्द हो; या केंद्र का करतारपुर साहिब कॉरिडोर न खोलने का फ़ैसला; या म्यांमार के सैनिकों का सीमा पार करके मिज़ोरम में पनाह लेना; या सिक्किम की चीन के साथ सीमापारीय व्यापार शुरू करने की ज़रूरत; या फिर नेपाल की तराई के साथ 'रोटी-बेटी' का रिश्ता जारी न रह पाने पर बिहार की नाराज़गी हो- भारत के राज्यों और उनके पड़ोस से जुड़े ये सभी मुद्दे अहम तो माने जाते हैं, लेकिन इतने भी नहीं कि विदेश नीति पर असर डाल सकें।

दूसरी चीज़ को 'जुरासिक युग' वाला नज़रिया कहा जा सकता है -इसका मतलब है कि अगर आप भारत के राष्ट्रीय हित के मामले में दिल्ली के इलीट वर्ग के नज़रिए से सहमत नहीं हैं, या मानते हैं कि भारत को गुटनिरपेक्ष रहना चाहिए, या यह कि भारत को किसी मुद्दे के आधार पर किसी के साथ जुड़ने की आज़ादी होनी चाहिए, तो आपको कूटनीतिक रूप से पुराने ढर्रे पर चलने वाला मान लिया जाएगा। यहीं पर ब्रिक्स समिट की भूमिका आती है। सरसरी नज़र देखने पर, इस मंच की भारत की अध्यक्षता यह दिखाती है कि वह अमेरिका नीत मौजूदा विश्व व्यवस्था के एक वैकल्पिक नज़रिए के साथ है; जबकि असल में, भारत अमेरिका के बराबर बतौर एक वैश्विक ताकत चीन के उभार को लेकर चिंतित है, रूस के साथ संबंध (ऊर्जा व रक्षा मामलों में) को लेकर उसका रुख व्यावहारिक है, वहीं ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के मामले में वह लगभग उदासीन है।

सच तो यह है कि भारत को 'रूस एक्ट' के कारण अमेरिका के साथ उसके रिश्तों पर संभावित असर को लेकर बहुत चिंता हो गई है, क्योंकि वह नहीं चाहता कि दोनों देशों के बेहद अहम रिश्ते को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचे। हालांकि, वह इस बात से भी इनकार नहीं कर सकता कि रूस ने भारत की मदद की है, खासकर ऊर्जा के मामले में। इसीलिए मनीला में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हालिया बैठक बहुत अहम रही-हमें नहीं पता कि उसका क्या नतीजा निकला, सिवाय एक साधारण सी टिप्पणी पाने के कि दोनों ने हर चीज़ पर चर्चा की, जिसमें 'टी-शब्द' यानी टैरिफभी शामिल है।

इसीलिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले के अगले छह हफ़्ते बहुत अहम होंगे- सबसे पहले, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या शीर्ष नेता, यानी शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन, इसमें शामिल होंगे; निश्चित रूप से शी के आने की पुष्टि नहीं हुई है और यह भी साफ़नहीं है कि क्या उन्हें इसमें शामिल होना फ़ायदेमंद लगता है या नहीं। दूसरी बात, पुतिन अगर आते भी हैं-क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके निजी संबंध अच्छे हैं-तो भी सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री भारत की विदेश नीति को सही मायने में 'मल्टी-अलाइनमेंट' (कई देशों से संबंध) की दिशा में मोड़ सकते हैं? यानी ऐसी नीति जिसमें भारत अपने दोस्त और साझेदार केवल अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर चुनें, और ये हित सिर्फ़ नई दिल्ली के कुलीन वर्ग द्वारा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों के आम नागरिकों के हिसाब से भी परिभाषित होते हों।

बीते कुछ दिनों में, प्रधानमंत्री ने भाजपा के अपने बनाए भंवर से बाहर निकलकर निराश हो रहे भारतीय युवाओं से सीधे जुड़ना चाहा है। शायद अब समय आ गया है विदेश नीति की शल्य चिकित्सा व ईमानदारी से स्थिति का आकलन करने का। यह कि भारत असल में चाहता क्या है? उसके भरोसेमंद दोस्त कौन हैं?

-लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

चाणक्य और शामशास्त्री

अलकनंदा सिंह

क्या आपने कभी सोचा है कि अगर मैसूर के एक सरकारी दफ्तर की धूल खाती अलमारी से ताड़ के पत्तों का एक बंडल न मिला होता, तो क्या हमें कभी पता चलता कि भारत के पास ढाई हजार साल पहले ही राजनीति, कूटनीति और अर्थशास्त्र का दुनिया का सबसे महान ग्रंथ मौजूद था? हम सब आचार्य चाणक्य और उनके 'अर्थशास्त्र' का नाम गर्व से लेते हैं, लेकिन इस महान ग्रंथ को गुमनामी के गहरे अंधेरे से निकालकर आधुनिक दुनिया के सामने लाने वाले असली भगीरथ कोई और नहीं, बल्कि रुद्रपटनम शामशास्त्री थे। शामशास्त्री का जन्म 1865 में कर्नाटक के हासन जिले के एक बेहद साधारण परिवार में हुआ था। उन्होंने कड़ी मेहनत के दम पर संस्कृत में महारत हासिल की और बाद में मैसूर के 'ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट' में एक लाइब्रेरियन बने। उस समय इस संस्थान का काम राजा-महाराजाओं और पुराने मठों से मिली प्राचीन पांडुलिपियों को सहेजना था।

साल 1904 की बात है, शामशास्त्री लाइब्रेरी में पांडुलिपियों की कैटलॉगिंग बना रहे थे, तभी तंजावुर के एक अज्ञात विद्वान ब्राह्मण द्वारा दान किए गए ताड़ के पत्तों का एक धूल-धूसरित बंडल उनके हाथ लगा। वह लिपि आधुनिक कन्नड़ या देवनागरी नहीं थी, बल्कि 'ग्रंथ लिपि' थी, जो प्राचीन काल में संस्कृत लिखने के लिए दक्षिण भारत में इस्तेमाल होती थी। जब शामशास्त्री ने उन पत्थरों जैसे कड़े हो चुके पत्तों को पलटा, तो उनके रौंगटे खड़े हो गए। श्लोक देखकर शामशास्त्री समझ गए कि यह आचार्य चाणक्य का वह 'अर्थशास्त्र' था, जिसके बारे में दुनिया ने सिर्फ दूसरी किताबों में सुना था।

ताड़ के वे पत्ते सदियों पुराने थे, कई जगह से टूट रहे थे और उन पर लिखी स्याही धुंधली हो चुकी थी। शामशास्त्री रोज़ घंटों मोमबत्ती या दीये की रोशनी में मैग्निफ़इंग ग्लास लेकर बैठते। एक-एक अक्षर को डिकोड करते। साल 1909 में शामशास्त्री ने चाणक्य के 'अर्थशास्त्र' का पहला अंग्रेजी अनुवाद दुनिया के सामने रखा। इस प्रकाशन ने पूरी दुनिया के बौद्धिक जगत में एक भूचाल ला दिया। जब बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के चांसलर और मैसूर के महाराजा के बीच एक बैठक चल रही थी, तो मैसूर के राजा ने महामना मदन मोहन मालवीय जी से पूछा कि वे उनके राज्य के लिए क्या कर सकते हैं? मालवीय जी ने तुरंत कहा, 'मुझे कुछ नहीं चाहिए, बस विद्वान शामशास्त्री के दर्शन करा दीजिए।' शामशास्त्री मैसूर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और बाद में पुरातत्व विभाग के निदेशक भी रहे। साल 1944 में यह महान मनीषी चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गये।

साभार : अबछोड़ो भी डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

असम की भूमि को लीलती बाढ़

पंकज चतुर्वेदी

कई दशकों की सबसे भयावह बाढ़ झेल रहे असम में एक तरफ जलप्लावन है तो दूसरी तरफजमीन के कटाव से लोग बेघर-बेजमीन हो रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश की तलहटी से निकलने वाली सपाई नदी के तेज बहाव ने कई रेलवे स्टेशनों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क लील ली। शिवसागर, डिब्रूगढ़ जैसे जिलों में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों ने दर्जनों बस्तियों को अपने में समा लिया। बाढ़ के चलते एक तो राज्य का विकास हर साल 19 साल पीछे चला जाता है तो दूसरी तरफराज्य भूमि कटाव के कारण औसतन एक प्रतिशत की दर से जमीन खो रहा है। असम सरकार के अनुसार 1950 से अभी तक राज्य की 4,27,000 हेक्टेयर भूमि नदियों के कटाव के चलते लुप्त हो चुकी है, जो राज्य के क्षेत्रफल का 7.4 प्रतिशत है। वर्ष 2020 के बाद जिस तरह जलवायु परिवर्तन का कुप्रभाव बढ़ा है और चीन द्वारा तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के साथ छेड़छाड़ बढ़ी है, राज्य में भूमि कटाव और तेज होता जा रहा है।

जुलाई 2019 में जल संसाधन मंत्रालय ने लोकसभा को बताया था कि 2014 से 2019 के बीच असम में भूस्खलन के कारण 86,536 लोग भूमिहीन हो गए थे। बाढ़ तो असम में सदियों से चार महीने डेरा डालती रही है, फिर भी वहां कभी नदी से डर कर लोगों का पलायन नहीं हुआ। बीते कुछ दशकों के दौरान पानी के बढ़ते भूमि कटाव ने इस राज्य में नए किस्म का विग्रह पैदा कर दिया है। असम में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे गांव-कस्बे साल दर साल सिकुड़ रहे हैं।

आशुतोष नीलकंठ

आशुतोष कंठ नीला, बाघाम्बर वस्त्र पीला,
मस्तक शोभित सोम,
त्रिनेत्र विशाल है।

हलाहल शंख पात्र, पान कर विरूपाक्ष,
भूत प्रेत संग साथी,
नाम महाकाल है।

हिमालय शुभ धाम, संगिनी पार्वती नाम,
कपर्दी हैं शूलपाणी,
भस्म सने भाल है।

'सुषमा' सर्वज्ञ शिव, मृत्युंजय शिवा प्रिय,
अर्जी सुन शिवालय,
नंदी द्वार पाल है।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

अपने भीतर उम्मीद की किरण तलाश करें

अंतरा पटेल

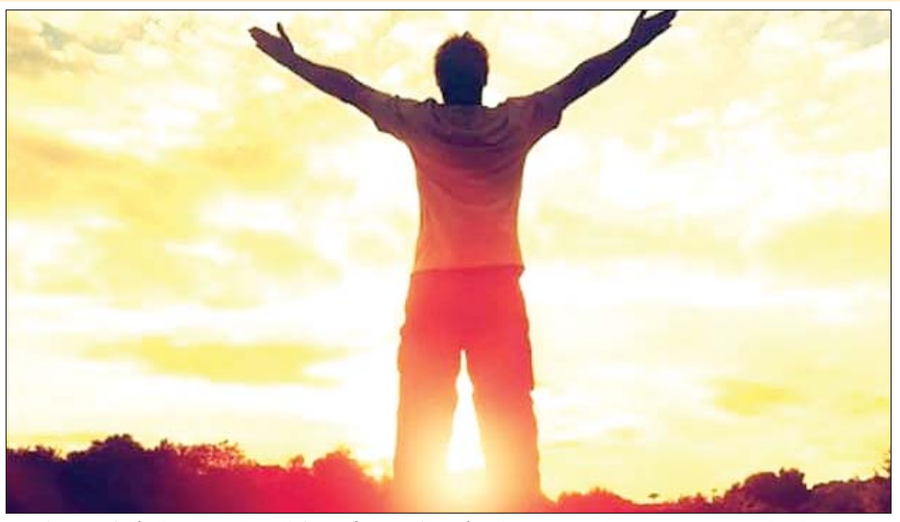

खुशी स्वास्थ्य व लंबी आयु की भविष्यवाणी करती है। खुशी सामाजिक प्रगति व सार्वजनिक नीतियों की सफलता मापने का पैमाना है। लेकिन वे चीजें क्या हैं, जो हमें खुशी प्रदान करती हैं? बिहेवियरल वैज्ञानिक इस बात का लंबे समय से अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन खुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप स्वयं हासिल कर लेती हैं। आपको अपने व्यवहार, आसपास की चीजों और अपने संबंधों में छोटे-छोटे परिवर्तन करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में हर कोई सक्षम है, ताकि आप प्रसन्न जीवन के मार्ग पर निकल पड़ें। खुशी अक्सर भीतर से आती है। इसलिए नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करना और हर दिन आशावाद से शुरू करना सीखें। सकारात्मक की बजाय खराब अनुभवों पर विचार करते रहना मानव प्रवृत्ति है, जो क्रमविकास से आई है और इससे हमें जिंदगीभर खतरनाक व दिल दुखाने वाली स्थितियों से बचने में मदद मिलती है तथा संकट में त्वरित प्रतिक्रिया करने में भी सहायता मिलती है। लेकिन इसका अर्थ यह है कि दिमाग को नकारात्मक ख्यालों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित करने में आपको थोड़ा अधिक परिश्रम करना होगा।

इस प्रकार से— नकारात्मक ख्यालों को रोकें नहीं। जब आप स्वयं से कहती हैं, 'मुझे यह सोचना बंद करना होगा', तो इस बारे में आप और अधिक सोचती हैं। अपनी चिंताओं को स्वीकार करें। जब आप नकारात्मक चक्र में होती हैं तो स्वीकार करें— 'मुझे पैसे की चिंता है', 'मुझे दफ्तर के काम की फिक्र है।' खुद से दोस्त की तरह व्यवहार करें। जब आप नकारात्मक महसूस कर रही हों तो सोचें कि आपकी जैसी स्थिति में आपका कोई दोस्त होता तो आप उसे क्या सलाह देतीं। उस सलाह को अपने ऊपर आजमाएं। अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती दें। शोध बताते हैं कि यह तरीका डिप्रेशन के लक्षणों को कम कर देता है। लक्ष्य आपको नकारात्मक मानसिकता से निकालकर अधिक सकारात्मकता की ओर ले जाना है। आशावाद कुछ जेनेटिक होता है और कुछ सीखा जाता है। अगर आप उदास व्यक्तियों के परिवार में भी जन्मी हैं, तो भी अपने अंदर की उम्मीद की किरण तलाश सकती हैं।

आशावाद का अर्थ खराब स्थिति के सत्य को नजरअंदाज करना नहीं है। मसलन, नौकरी छूटने के बाद बहुत से लोग हार मानकर यह सोचते हैं, 'मैं इससे कभी उभर नहीं पाऊंगा।' एक आशावादी व्यक्ति अधिक उम्मीद से चुनौती को स्वीकार करेगा और कहेगा, 'यह कठिन है, लेकिन मेरे लिए जीवन के लक्ष्यों को पुन: सोचने का अवसर भी है और मैं वह काम तलाश सकता हूं, जो मुझे वास्तव में खुशी प्रदान करता है।' सकारात्मक सोचना और अपने आपको सकारात्मक लोगों से घिरे रखना वास्तव में लाभकारी है। निराशावाद की तरह आशावाद की भी लत लग जाती है। इसलिए आशावादी लोगों के साथ रहने का लक्ष्य बना लें।

आप जहां रहती हैं— देश, शहर, पड़ोस और आपका घर— सभी आपकी संपूर्ण खुशी को प्रभावित करते हैं। एक सीढ़ी की कल्पना कीजिए, जिसमें नीचे शून्य से लेकर ऊपर दस तक पायदान हैं। सीढ़ी का सबसे ऊपरी पायदान संभावित सर्वश्रेष्ठ जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और निचला पायदान सबसे खराब जीवन का। इस समय आप व्यक्तिगत तौर पर अपने को किस पायदान पर खड़ा महसूस कर रही हैं?

दुनियाभर में खुशी को मापने व तुलना करने के लिए इसी खुशी की सीढ़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शोध को सार्वजनिक नीति गठित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इससे व्यक्तिगत स्तर पर भी सबक लिया जा सकता है। पूर्ति व संतोष प्रदान करने वाला जॉब तलाशें; प्रसन्न जगह पर रहने का प्रयास करें; सामाजिक सहयोग से अपने को घेर लें; अपनी सेहत का ख्याल रखें; और (स्पिरिट, समय व पैसे में) उदार व दानी रहें, ताकि अपने लिए खुशी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। हद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है। अत्यधिक फालतू चीजों का होना और असंगठित रहना अक्सर बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का लक्षण बनते हैं।

स्वच्छ वातावरण में रहें, फालतू चीजों को बाहर निकालें, लेकिन जो चीजें आपको खुश रखती हैं, उन्हें बचाए रखें। खुशी की संभावनाएं बेडरूम में बढ़ जाती हैं। यह वह जगह है, जहां हम सोते हैं और खामोशी में विचार करते हैं। ये सभी गतिविधियां हमारी खुशी को बेहतर करती हैं। इसलिए बेडरूम जीवन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार खुशी व स्वास्थ्य के सबसे सशक्त इंडेक्स नींद हैं। अगर आपकी लिविंग स्पेस आपकी खुशी को प्रभावित कर रही है, तो अपने बेडरूम को उच्च प्राथमिकता दें। आराम में निवेश करें। आरामदायक चादर, तकिए व बेडिंग खरीदें। जब हम लोगों से जुड़ते हैं, उनसे संपर्क करते हैं, तो अधिक खुश होते हैं। हमारी अपनी खुशी दूसरों की खुशी से जुड़ी हुई है, खासकर उनसे, जिनसे आप जुड़ी हुई हैं। जब हम खुश दोस्तों व परिवार के सदस्यों के करीब रहते हैं, तो हमारी खुशी बढ़ जाती है। जानवर पालना भी खुशी बढ़ा देता है।

पैसा ज़रूरी है, लेकिन वह आपको खुश रखे, यह ज़रूरी नहीं। हां, अर्थपूर्ण कार्य और थोड़ा अतिरिक्त समय आपको खुश रखेगा। कार्य में उद्देश्य तलाशें। दूसरों के प्रति दया व्यक्त करना खुशी के मार्ग पर चलने का साबितशुदा तरीका है, लेकिन अपने आप पर दया करना न भूलें।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जिले में अब तक 488.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 02 अगस्त 2026 तक 488.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 318.4 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 549.9 मिमी, तहसील बोरी में 559.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 488.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 395.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 02 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 0.0 मिमी, तहसील धमधा में 0.0 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 0.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

निधन : पं. दया शंकर मिश्रा

भिलाई। सेक्टर 5 निवासी पं. दया शंकर मिश्रा (सेवानिवृत उप मुख्य औद्योगिक अभियंता, इंडिस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र), का स्वर्गवास दिनांक 24 जुलाई 2026 को उनकी सुपुत्री के निवास धनबाद में हो गया है। वे अपने पीछे धर्मपत्नी शोभा मिश्रा, पुत्री मीरा मिश्रा, दामाद प्रो. अरविन्द कुमार मिश्रा, पौत्री वार्तिका मिश्रा एवं पौत्र वत्सल मिश्रा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

जिला अस्पताल में चाहिए थे पांच, आया सिर्फ एक डाक्टर

दुर्ग। जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में बड़ी कोशिश के बाद पांच की जगह सिर्फएक डॉक्टर की नियुक्ति हो पाई। वॉक-इन-इंटरव्यू में मेडिसिन के सिर्फ एक डॉक्टर, डॉ. उन्नयन राज साहू इंटरव्यू देने पहुंचे। शुक्रवार को 2 लाख रुपए एक मुश्त मासिक मानदेय पर जिला अस्पताल में उनकी नियुक्ति कर दी गई। इसके साथ ही मेडिसिन विभाग में बांड के दो डॉक्टर (डॉ. निखिल व डॉ. निकेत) को मिलाकर तीन डॉक्टर हो जाएंगे। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ डीके साहू ने इस्तीफा दे दिया था जबकि डॉ तृप्ति तिवारी को बर्खास्त कर दिया गया था।

सुखद : जिस अस्पताल में लिया जन्म, आज उसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी बन गए डॉ उदय

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई स्टील प्लांट के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय ने मेडिकल हेड की जवाबदारी एक अगस्त शनिवार से संभाल ली है। सुखद संयोग है कि डॉ. उदय का जन्म भी इसी अस्पताल में हुआ था।

शनिवार को उन्होंने निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन और प्रभारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग एमएम चक्रवर्ती तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और इसके बाद जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 पहुंच कर विभाग प्रमुख का कार्यभार संभाला।

डॉ. उदय के पिता भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत थे। उन्होंने पहली से 11वीं तक की पढ़ाई भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर-6 स्थित स्कूलों में हुई। कल्याण कॉलेज से बीएससी

प्रथम वर्ष की पढ़ाई की और पीएमटी में चयनित होकर रायपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस एवं एमएस की डिग्री प्राप्त की।

वर्ष 1994 में वे जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में मेडिकल ऑफिसर बन गए। वर्ष 2013 में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष बनने के बाद उनका विभाग मध्य भारत के सर्वश्रेष्ठ बर्न सेन्टर्स में शामिल हुआ। डॉ. उदय कुमार की पहल पर यहां मध्य भारत तथा सेल का पहला स्किन बैंक स्थापित किया गया। इस स्किन बैंक के माध्यम से अब तक सैकड़ों गंभीर रूप से झुलसे मरीजों की जान बचाई जा चुकी है।

डॉ. उदय कुमार ने हिंदी फिल्म 'रमाई' में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका निभाई। डॉ. उदय आमजन के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। अपनी विशेषज्ञता के चलते मरीज और उनके परिजन उनकी सलामती के लिए मंदिरों में कथा-यज्ञ आयोजित करते हैं तथा दरगाहों पर चादर भी चढ़ाते हैं।

युवा नशे से मुक्त रहेंगे तो देश और समाज भी सशक्त एवं स्वस्थ बनेगा : गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का राष्ट्रीय शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया।

अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम रूंगटा डेंटल कॉलेज, सुपेला, भिलाई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव थे। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थानों, युवा संगठनों, औद्योगिक संगठनों तथा सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं को अभियान से जोड़ते हुए इसे व्यापक जनभागीदारी का आंदोलन बनाना है, ताकि अधिक से अधिक युवा नशामुक्त भारत के संकल्प से जुड़ सकें। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने विकसित भारत के निर्माण के लिए नशे से दूर रहने का सामूहिक संकल्प दिलाया।

श्री यादव ने कहा कि नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश की लगभग 29 करोड़ जनता को संबोधित किया। नशा भले ही छोटा शब्द है, लेकिन यह अनेक लोगों का जीवन बर्बाद कर देता है।

उन्होंने कहा कि एक बार नशे की लत लग जाने के बाद उसे छोड़ना कठिन हो जाता है और व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे असंतुलित होने लगता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे से दूर रहें और नशे का सेवन न करने का दृढ़ संकल्प लें। साथ ही यह भी संकल्प करें कि न तो वे स्वयं नशा करेंगे और न ही दूसरों को इसके सेवन के लिए प्रेरित होने देंगे।

उन्होंने कहा कि नशे के कई प्रकार हैं और अत्यधिक मोबाइल का उपयोग भी एक प्रकार की लत है। युवा यदि नशे से मुक्त रहेंगे तो समाज और देश भी सशक्त एवं स्वस्थ बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि आज इस महाअभियान की शुरुआत हो रही है। भारत युवाओं का देश है और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के समक्ष एक गंभीर चुनौती है। नशे के कारण अनेक प्रकार की अप्रिय घटनाएं घटित होती हैं। युवाओं को नशे के जाल में फंसने के बजाय अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि यह अभियान आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को सतत रूप से संचालित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने युवाओं से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और अपने आसपास के लोगों, दोस्तों तथा पड़ोसियों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में नशामुक्ति के लिए केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देने एवं परामर्श उपलब्ध कराने के लिए आउटरीच ड्रॉप-इन सेंटर का संचालन किया जा रहा है। इसके माध्यम से अब तक लगभग 2625 लोगों का उपचार किया जा चुका है, जिनमें से 736 लोग नशामुक्त हो चुके हैं। जिले में स्कूलों, कॉलेजों एवं मोहल्लों में नुक्कड़ नाटक, पाम्पलेट वितरण तथा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से निरंतर नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर एएसपी शोभराज अग्रवाल, चेयरमेन संजय रूंगटा, डायरेक्टर डॉ.साकेत रूंगटा, कार्तिक कृष्णा, अभिषेक सुराना, प्रजापति ब्रम्हकुमारी दीदी, एसडीएम दुर्ग प्रफुल्ल गुप्ता, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक एपी गौतम सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

मुनिन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा भिलाई में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले के सेक्टर 9 भिलाई स्थित महिला महाविद्यालय परिसर में मुनिन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा रविवार, 2 अगस्त 2026 को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में ट्रस्ट से जुड़े समाज के सभी वर्ग के लोगों ने रक्तदान की सेवा दी। शिविर में 291 यूनिट रक्तदान हुआ।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रक्तदान शिविर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ट्रस्ट के जिला संयोजक खेमेन्द्र साहू ने रक्तदान शिविर के आयोजन के उद्देश्य एवं ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी से अवगत कराया।

विगत दिवस इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में 'रक्तदान-महादान' विषय पर बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील के साथ ही रक्तदान अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए सुझाव और सहयोग का आह्वान किया गया। कलेक्टर की अपील पर मुनिन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट के सेवादारों ने जिला प्रशासन को रक्तदान शिविर आयोजित कर ब्लड बैंक हेतु शिविर में संग्रहित रक्त डोनेट करने का भरोसा दिलाया। यह किसी सामाजिक संस्था का पहला विशाल रक्तदान शिविर है, जिसमें ट्रस्ट से जुड़े समाज के सभी वर्ग बढ़-चढ़ कर रक्तदान हेतु आगे आए है। इनके द्वारा 291 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में रेडक्रॉस प्रबन्ध समिति के सदस्य डॉ. शरद पाटनकर, प्रमोद बाघ, राज अड़तिया और विजय ताम्रकार तथा सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. आशिषान मिंज, प्रभारी अधिकारी ब्लड बैंक डॉ. एस.आर. चुरेन्द्र और उनकी पूरी टीम के लोग उपस्थित थे।

सत्संग से ही आत्मा बन सकती है परमात्मा : मणिभद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्र संत, नेपाल केसरी एवं मानव मिलन के संस्थापक परम पूज्य श्री मणिभद्र मुनि महाराज ने कहा कि यदि आत्मा को परमात्मा बनने की दिशा में अग्रसर करना है तो संतों की संगति और सत्संग को जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा। संतों का सान्निध्य व्यक्ति के संस्कारों, विचारों और भावों को परिष्कृत करता है।

आचार्यवर जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में चल रहे आध्यात्मिक वर्षावास के अंतर्गत आयोजित धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रसंत ने कहा कि श्रेष्ठ संस्कार ही मनुष्य को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा साधना के माध्यम से जीवन को सत्कर्मों में प्रवृत्त कर अंततः समाधि के पथ

तक पहुंचाने में सहायक बनते हैं।

गुरुदेव ने कहा कि मन की निर्मलता ही आध्यात्मिक उन्नति का मूल आधार है। जब मन पवित्र होता है, तब साधना सफल होती है और जीवन में सद्भाव, संयम एवं सेवा के संस्कार विकसित होते हैं। संतों का सान्निध्य व्यक्ति के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाता है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

उन्होंने कहा कि सत्य को स्वीकार करने का साहस ही वास्तविक ज्ञान का प्रारंभ है। प्रायः मनुष्य अपनी मान्यताओं को ही सत्य मान लेता है, जबकि सत्य को निष्पक्ष भाव से स्वीकार करना आवश्यक है। किसी को गलत सिद्ध करना हमारा उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वयं को सही बनाने का प्रयास करना चाहिए।

मुनिश्री ने श्रद्धा और शंका के विषय में कहा कि जहां श्रद्धा होती है, वहां शंका के लिए स्थान नहीं रहता और जहां शंका का वास होता है, वहां श्रद्धा का भाव विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि तर्क ज्ञान को विकसित करता है, जबकि कुतर्क केवल अज्ञानता और भ्रम को बढ़ाता है। इसलिए जीवन में विवेकपूर्ण चिंतन, श्रद्धा और सत्संग का समन्वय जरूरी है।

धर्म सभा को संत पुनीत मुनि जी महाराज ने भक्ति गीतों से सभा का प्रारंभ किया। धर्म सभा को प्रवचन प्रभावी साध्वी श्री लक्ष्मी जी महाराज ने भी संबोधित किया

धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर गुरुदेव के मंगल प्रवचनों का श्रवण किया तथा आध्यात्मिक जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया। रतन भवन में त्याग तपस्या का ठाठ लगा हुआ है।

नशा मुक्ति से ही परिवार में खुशहाली संभव : ललित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में नशा मुक्त विकसित भारत कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में ललित चंद्राकर, विधायक, दुर्ग ग्रामीण तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का युवाओं के नाम संदेश प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए नशा मुक्त विकसित भारत के निर्माण में

सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

श्री चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा मुक्त परिवार ही खुशहाल परिवार की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों से स्वयं को दूर रखते हुए समाज में जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, विशेष रूप से रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी एवं ड्रग स्क्रीनिंग जैसी प्रणालियों के माध्यम से मादक पदार्थों की पहचान एवं उनकी आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो रहा है। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों एवं युवाओं से सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करते हुए रील के माध्यम से नशा मुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जनेंद्र दीवान द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि मंच संचालन सुरेश ठाकुर, सहायक प्राध्यापक ने प्रभावी ढंग से किया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक, समाजसेवी, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

बूथ स्तर तक जाकर काम करेगी भाजपा महिला मोर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला स्तरीय परिचयात्मक बैठक आज भाजपा जिला कार्यालय में उत्साह एवं संगठनात्मक वातावरण के बीच संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक उपस्थित रहे। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर ने अध्यक्षता की।

महिला मोर्चा दुर्ग की प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री तिलेश्वरी धुरंधर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य योगिता सिन्हा, सरिता मिश्रा, माया बेलचंदन एवं ममता देवांगन उपस्थित रहीं।

बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों

की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। मोर्चा को बूथ स्तर तक अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए व्यापक चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि तिलेश्वरी धुरंधर ने महिला कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति-नीति एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि महिला शक्ति भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के बीच जाकर सेवा, समर्पण एवं संगठन के मूल मंत्र के साथ कार्य करे और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाए।

भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि महिला मोर्चा ने सदैव संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की है। आने वाले समय में सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लें तथा बूथ स्तर तक पार्टी की योजनाओं एवं उपलब्धियों को पहुंचाएं।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महिला मोर्चा की प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने, महिलाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने तथा समाज सेवा से जुड़ने की अपील की।

दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में बिजली बिल पर मंथन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, दुर्ग की बैठक 2 अगस्त को चंद्राकर भवन, मीनाक्षी नगर में ब्लॉक अध्यक्ष गुरदीप सिंह भाटिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। विशेष रूप से दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्राप्त निर्देशों, संगठन की आगामी गतिविधियों एवं बूथ चलो अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक बूथ पर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाया जाएगा तथा आमजन से निरंतर संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा।

बैठक में प्रदेशभर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर एवं लगातार बढ़ रहे बिजली बिलों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था और बढ़े हुए बिजली बिलों से आम उपभोक्ता आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए गुरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक सक्रिय होकर कांग्रेस संगठन की विचारधारा एवं जनहित के मुद्दों को घर-घर पहुंचाना होगा। इसमें सभी की सहभागिता जरूरी है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

विद्यार्थियों और युवाओं ने प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन सुना

रायपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माई भारत) द्वारा देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए नशा मुक्त भारत के निर्माण का आह्वान किया तथा 100 सप्ताह तक चलने वाले अभियान की शुरुआत की। इसी क्रम में मेरा युवा भारत, कवर्धा द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम विद्यालय, दुर्गावती चौक, कवर्धा में स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन देखा और सुना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवर्धा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं जिम्मेदार जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई और समाज में जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

पीएम फसल बीमा योजना की तिथि बढ़ी, फसल बीमा 14 अगस्त तक

सारंगढ़ बिलाईगढ़। भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में अधिसूचित समस्त फसलों एवं अधिसूचित सभी जिलों के ऋणी एवं अऋणी कृषकों के फसल बीमा एवं प्रीमियम जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दिया गया है। मैदानी स्तर पर किसानों के नामांकन में आई व्यावहारिक कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए अंतिम तिथि बढ़ाने का अनुरोध भारत सरकार को किया गया था। योजना का क्रियान्वयन कर रही बीमा कंपनियों द्वारा भी इस प्रस्ताव पर सहमति प्रदान किए जाने के उपरांत भारत सरकार ने किसानों के हित में अंतिम तिथि बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। 14 अगस्त तक सभी पात्र किसानों के फसल बीमा पंजीयन पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रीमियम अनुदान नियमानुसार देय रहेगा। कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विभाग, सेवा सहकारी समितियाँ, बैंक शाखाएँ, सेवा सेतु तथा अधिकृत बीमा कंपनी के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत 55 छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिल

कोंडागांव। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामकोटपारा में शनिवार को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 55 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी थीं। विधायक लता उसेंडी ने छात्राओं को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे आत्मनिर्भर बनते हुए बिना किसी बाधा के अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति, 'बस्तर पंडुम' विजेताओं ने राष्ट्रपति से की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की।

इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे।

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया। मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति-रिवाजों का परिचय दिया। प्रतिनिधिमंडल की इस मुलाकात से न केवल नारायणपुर और समूचा बस्तर संभाग गौरवान्वित महसूस कर रहा है, बल्कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मंचों से जनजातीय कला, परंपराओं और लोक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिलेगा।

नए आपराधिक कानूनों ने न्याय व्यवस्था में लाया ऐतिहासिक परिवर्तन : मुख्यमंत्री साय

समन्वित प्रयासों से नए कानूनों और डिजिटल न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य - रमेश सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्तमान समय की आवश्यकताओं और बदलती चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन के वाहक बने हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है।

आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इन कानूनों की मूल भावना नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की स्थापना है, जिसमें पीड़ित को शीघ्र न्याय मिले और अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सके।

उन्होंने कहा कि पुराने कानून ऐसे समय में बने थे, जब डिजिटल तकनीक, सीसीटीवी, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आधुनिक फॉरेंसिक विज्ञान का अस्तित्व नहीं था। आज अपराधों की प्रकृति बदल चुकी है और तकनीक न्याय व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। नए कानूनों ने डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तथा वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच को विधिक मान्यता देकर अपराध अनुसंधान और अभियोजन को नई मजबूती प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शाखा प्रारंभ होने से अपराध अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। ई-साक्ष्य जैसी व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण और उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से न्याय प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और प्रभावी हुई है। पहले समन की तामील में कई दिन लग जाते थे, जबकि अब ई-समन के माध्यम से सूचना तत्काल संबंधित व्यक्ति तक पहुंच रही है और उसकी डिजिटल ट्रैकिंग भी संभव हो गई है। न्याय श्रुति जैसी व्यवस्था न्यायालयीन कार्यवाही के सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ-साथ ऑनलाइन एवं हाइब्रिड सुनवाई को भी अधिक सक्षम बना रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से देशभर के पुलिस थाने डिजिटल रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं। इससे अपराधियों का रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध हो जाता है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई में सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी थाने ऑनलाइन मोड में कार्यरत हैं तथा राज्य में अब तक 1 लाख 97 हजार 547 एफआईआर ऑनलाइन दर्ज की जा चुकी हैं। नागरिकों को डिजिटल हस्ताक्षरित एफआईआर की प्रति भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन, जेल और अन्य संबंधित संस्थाओं के बीच सुरक्षित डिजिटल समन्वय स्थापित कर रहा है। इससे सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान संभव हुआ है और न्यायिक प्रक्रिया में होने वाली अनावश्यक देरी में उल्लेखनीय कमी आई है।

उन्होंने कहा कि नए कानूनों से न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल, पारदर्शी और कम खर्चीली हुई है। कागजी औपचारिकताओं में कमी आई है तथा सीमित संसाधनों में अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों से निपटने में भी ये कानून अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। इसी दिशा में राज्य सरकार ने नौ नए साइबर थाने प्रारंभ किए हैं तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

दिव्यांग सशक्तिकरण की नई राहः आसान ऋण और प्रशिक्षण से मिली आत्मनिर्भरता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम योजना दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आसान ऋण, कम ब्याज दर, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधा मिलने से कई दिव्यांगजन अपने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं।

ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है सोना थालिया की। उन्होंने निगम से ऋण लेकर स्वरोजगार शुरू किया और समय पर ऋण की अदायगी भी की। उनकी मेहनत और ईमानदारी को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उनकी सफलता से अन्य दिव्यांगजन भी प्रेरित हो रहे हैं।

दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने समीक्षा बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। निगम के माध्यम से 50 हजार रुपये तक 5 प्रतिशत, 5 लाख रुपये तक 6 प्रतिशत और 10 लाख रुपये तक 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर ऋण दिया जा रहा है। आवश्यकता होने पर 50 लाख रुपये तक ऋण देने का प्रावधान भी है। समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को सब्सिडी का लाभ भी मिलता है।

निगम के प्रबंध संचालक पंकज वर्मा ने बताया कि योजना का उद्देश्य केवल ऋण देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को सफल उद्यमी बनाना है।

इसके लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्पाद निर्माण, डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय प्रबंधन और लेखा-जोखा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उनके उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक के दौरान दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार किए गए हर्बल साबुन, मालाएं और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन उत्पादों की गुणवत्ता की सभी ने सराहना की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया सत्याग्रह किताब का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

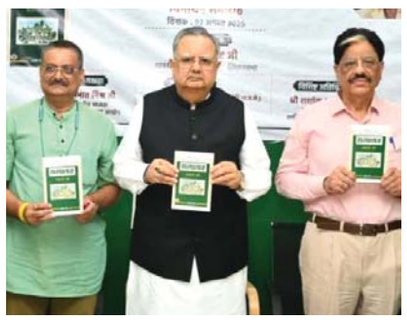

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज शाम यहां शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में सत्याग्रह नामक किताब का विमोचन किया। हरि ठाकुर स्मारक संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तक के लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार स्वर्गीय आशीष सिंह है। यह पुस्तक जल-जंगल के संघर्ष पर केन्द्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रभात मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, साहित्यकार, स्वर्गीय आशीष सिंह जी के सुपुत्र उपमन्यु सिंह, अभिमन्यु सिंह मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पुस्तक का विमोचन कर कहा कि यह किताब शताब्दी वर्ष छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा किए गए जल-जंगल के लिए किए गए सत्याग्रह पर आधारित है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान जल-जंगल के अधिकारों की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को दर्शाता है। बस्तर से लेकर राजनांदगांव एवं राजनांदगांव से लेकर धमतरी के कंडेल में नहर सत्याग्रह की घटना को उजागर करती है। सन् 1920 में बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अनुरोध पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को धमतरी आना पड़ा। राजनांदगांव जिले के बादराटोला में शहीद रामाधीन गोंड जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान था, उसके नाम पर राजनांदगांव शहर में रामाधीन मार्ग है। डॉक्टर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्यागमूर्ति स्व. प्यारे लाल सिंह स्वर्गीय हरि ठाकुर के योगदान को स्मरण किया।

खेल और संस्कृति किसी भी शहर की पहचान और प्रगति के महत्वपूर्ण आधारः मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी शहर में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। जालमपुर वार्ड में निर्मित दूसरे बॉक्स क्रिकेट मैदान का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने फीता काटकर किया। इससे पहले जिले का पहला बॉक्स क्रिकेट मैदान एकलव्य खेल परिसर में विकसित किया गया था।

शुभारंभ के अवसर पर मंत्री चौधरी ने स्वयं बल्ला थामकर मैदान में बल्लेबाजी की और आकर्षक शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने गेंदबाजी की, जबकि बाद में उन्होंने भी बल्लेबाजी कर खेल का आनंद लिया। इस दौरान मैदान तालियों की गूंज और उत्साह से भर उठा।

इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल सड़कों, भवनों और अन्य अधोसंरचनाओं से नहीं होती, बल्कि खेल, संस्कृति और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसर भी उसकी प्रगति के महत्वपूर्ण पैमाने होते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करते हैं। नया बॉक्स क्रिकेट मैदान स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, प्रतियोगिताओं की तैयारी और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। इससे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के अवसर प्राप्त होंगे।

मंत्री चौधरी ने युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ और सक्रिय युवा ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होते हैं।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन और नगर निगम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से जिले में खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में वॉलीबॉल, बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के लिए भी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण का वातावरण मिलेगा।

शुभारंभ समारोह में लोकसभा सांसद मती रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, नगर निगम महापौर रामू रोहरा, जनप्रतिनिधिगण, पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी, खेल प्रेमी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ युवा बनें जन आंदोलन के नेतृत्वकर्ताः उप मुख्यमंत्री अरुण साव

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0' अभियान का भव्य आयोजन, प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन से जुड़े लाखों युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आज रविवार को विश्वविद्यालय बिलासपुर के रजत जयंती सभागार में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0' अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा युवा नशे से मुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित होगा। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज प्रत्येक युवा को नशा मुक्त भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनकर अपने गांव, शहर और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास ही वास्तविक शिक्षा है। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान युवाओं को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, खेल और समाज सेवा में लगाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा। प्रत्येक युवा को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, रैली एवं रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर नगर निगम की महापौर पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ए.के. दीक्षित, माय भारत के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं, माय भारत स्वयंसेवकों, माय भारत यूथ क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, स्काउट-गाइड खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलो इंडिया विभिन्न महाविद्यालयों, से लगभग एक हजार युवाओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। आयोजन में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में दो दर्जन से अधिक युवाओं और प्राध्यापकों ने रक्तदान किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

फिल्मों में दमदार किरदार चाहती हैं अविका गौर

बोलीं- फर्नीचर बनकर नहीं रहना

टीवी के पॉपुलर शो बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका गौर अब अपने करियर को नई दिशा देना चाहती हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि वो अब ऐसे रोल्स चुन रही हैं, जिनमें सिर्फ स्क्रीन पर मौजूदगी नहीं, बल्कि दमदार अभिनय दिखाने का मौका भी मिले।

अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। शो के दौरान अविका ने कहा, मेरा मानना है कि लोग मुझसे बेहतरीन परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। मैं अपनी फिल्मों में ऐसे किरदार निभाती रही हूं जहां मुझे परफॉर्म करने, एक्टिंग करने और एक एक्टर के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलता है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा फोकस हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने पर रहेगा, जहां मुझे फिल्म में सिर्फ फर्नीचर बनकर रहने के बजाय कुछ और करने का मौका मिले। इसलिए मैं सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने को लेकर हमेशा बहुत सतर्क रहूंगी।

खतरों के खिलाड़ी 15 में वापसी के बारे में बात करते हुए अविका ने माना कि भले ही ये शो फिजिकली और मेंटली बहुत मुश्किल है, लेकिन उनका पिछला एक्सपीरियंस काफी चैलेंजिंग था। उन्होंने कहा, ये शो वैसे भी आसान नहीं है। ये बहुत चैलेंजिंग है। लेकिन मेरे लिए, मेरा पिछला सीजन कहीं ज्यादा मुश्किल था। उस सीजन में मुझे जो स्टंट दिए गए थे, वे मेरे लिए ज्यादा डरावने थे। इसलिए, अभी जो स्टंट मैं कर रही थी, उनसे मुझे इतना डर नहीं लगा कि मुझे लगे कि मुझे हार मान लेनी चाहिए। अविका इससे पहले शो के सीजन 9 में हिस्सा ले चुकी हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर का पंजाबी म्यूजिक वीडियो 7 अगस्त को रिलीज होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने हिंट दिया कि वो जल्द ही टीवी पर भी वापसी कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल वो इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं कर सकतीं।

बता दें, रोहित शेट्टी के होस्ट किए गए खतरों के खिलाड़ी 15 1 अगस्त से कलर्स टीवी पर आ रहा है और इसे जियोहॉटस्टार पर भी स्ट्रीम किया जा रहा है। शो के पुराने और नए कंटेस्टेंट के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा।

इश्क में डूबीं सोनल चौहान!

अभिनेत्री की शानदार तस्वीरें देखकर फैंस को आई ताज महल की याद

सोनल चौहान अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक प्यारा शब्द लिखा है। सोनल चौहान की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

सोनल चौहान ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शानदार लहंगा और चोली पहना है। उनकी चोली पर शानदार कढ़ाई है। उन्होंने मैचिंग ज्वैलरी पहनी है। अभिनेत्री ने दोनों हाथों पर अपना दुपट्टा डाला है। डार्क मेकअप और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को पूरा किया है।

फैंस को पसंद आईं तस्वीरें

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा है 'इश्क'। सोनल की तस्वीरों पर फैंस कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'भारत में ताज महल के बाद आप मुझे सबसे ज्यादा पसंद हो।' एक और यूजर ने लिखा 'आपसे एक बार मिलने की इच्छा है।' एक और यूजर ने लिखा 'आप इमरान हाशमी के साथ अच्छी लगती हो।' कई दूसरे यूजर्स ने अभिनेत्री की तारीफ की है।

'मिर्जापुर' की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि सोनल चौहान अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' में विद्या का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म में अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार, रसिका दुग्गल और रवि किशन होंगे। ये वेब सीरीज 'मिर्जापुर' पर आधारित होगी।

पहली फिल्म से मशहूर हुईं अभिनेत्री

यह गौरतलब है कि सोनल चौहान ने 2008 में फिल्म 'जन्नत' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। दर्शकों को इमरान हाश्मी के साथ उनकी केमेस्ट्री पसंद आई थी। इस फिल्म में बेहतरीन अभिनय करने की वजह से साल 2009 के फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के लिए नामांकन मिला था।

अभिनेत्री अदिति बालन की फिल्म जीडीएन से पहला लुक जारी

निर्देशक कृष्ण कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म जीडीएन सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। इसी बीच, मेकर्स ने अभिनेत्री अदिति बालन का लुक भी जारी किया। मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री का पहला लुक जारी कर लिखा, पेश है, पद्मावती के रूप में अदिति बालन। एक आवाज, स्टैंड और ऐसी कहानी, जो सब कुछ बदल देती है। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म मशहूर भारतीय आविष्कारक, किसान और समाजसेवी जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है, जिसमें अभिनेत्री अदिति बालन पद्मावती की भूमिका अदा करती हुई सभी को मनोरंजन करेंगी।

मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज कर दिया है, जिसमें महान आविष्कारक गोपालस्वामी दोरैस्वामी नायडू (जीडी नायडू) के जीवन, संघर्ष और ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनकी असंदिग्ध बगावत की एक रोमांचक झलक दिखाता है। इसकी शूटिंग मुख्य रूप से कोयंबटूर में की गई है, जहां नायडू ने अपनी कर्मभूमि बनाई थी।

ट्रेलर की शुरुआत स्वतंत्रता-पूर्व काल के उन चुनौतीपूर्ण दौर से होती है, जहां भारत के एडिसन कहे जाने वाले जीडी नायडू के अपरंपरागत विचारों और आविष्कारों को सत्ताधारी ब्रिटिश हुकूमत और ताकतवर ताकतों द्वारा दबाने की कोशिश की जाती है। इसके बाद एक ब्रिटिश अधिकारियों को यह कहते हुए दिखाया गया है कि नायडू नाजियों और जर्मनी के साथ व्यापार कर रहे हैं, जो क्राउन के खिलाफ यानी राजद्रोह है। उन पर कर चोरी और अन्य मनगढ़ंत आरोप भी लगाए जाते हैं।

कृष्ण कुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित जीडीएन में आर. माधवन मुख्य भूमिका में हैं, जिन्हें भारत का एडिसन कहे जाने वाले जी.डी. नायडू के रूप में देखा जा सकता है। फिल्म में माधवन के अलावा जयराम, प्रियामणि, दुशारा विजयन, सत्यराज, अदिति बालन, विजय राय और टीजे अरुणासलम भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत गोविंद वसंत ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी अरविंद कमलानाथन ने की है। यह फिल्म 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक किस कदर प्यार देते हैं।

ऑफिस में काम करते समय मेकअप को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

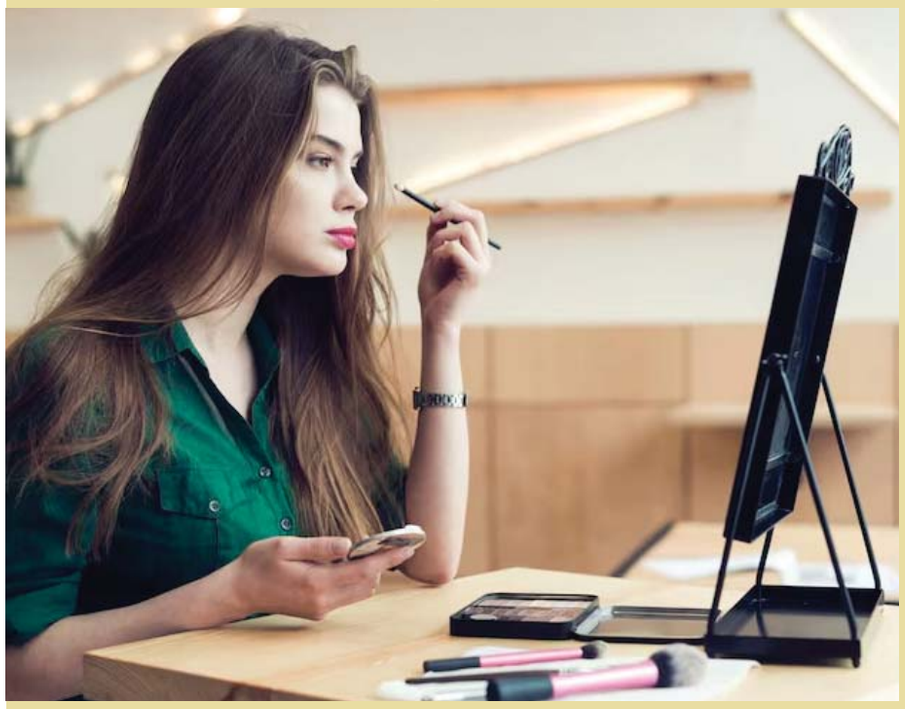

ऑफिस में लंबे समय तक काम करते हुए मेकअप का बिगडऩा एक आम समस्या है। कई बार पसीना, हवा और अन्य कारणों से हमारा मेकअप खराब हो जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को पूरे दिन बनाए रख सकते हैं और अपने चेहरे को ताजगी का अहसास करा सकते हैं। इन सुझावों से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपको ताजगी का अहसास भी कराएगा।

प्राइमर का करें इस्तेमाल

प्राइमर एक ऐसा उत्पाद है, जो आपकी त्वचा को तैयार करता है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है। इसे लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से साफ करें और फिर प्राइमर लगाएं। यह आपके मेकअप को स्मूद बेस देता है और उसे पूरे दिन बनाए रखता है। प्राइमर लगाने से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपकी त्वचा भी ताजगी भरी महसूस होगी।

सेटिंग स्प्रे का करें उपयोग

सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को स्थिर रखने में मदद करता है। इसे लगाने से पहले अपने पूरे मेकअप को पूरा कर लें और अंत में चेहरे पर हल्का-सा स्प्रे करें।

यह आपके मेकअप को पसीने और नमी से बचाएगा और उसे पूरे दिन ताजा बनाए रखेगा। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपकी त्वचा को नमी भी देगा और आपको एक निखरा हुआ लुक देगा।

इसे अपने बैग में हमेशा रखें, ताकि जरूरत पडऩे पर तुरंत इस्तेमाल कर सकें।

ब्लॉटिंग पेपर भी आएगा काम

ब्लॉटिंग पेपर आपके चेहरे से अतिरिक्त तेल और पसीने को सोखता है। इसे अपने बैग में रखें और जब भी आपको लगे कि आपका चेहरा थोड़ा चिपचिपा हो रहा है तो ब्लॉटिंग पेपर का इस्तेमाल करें।

यह आपके मेकअप को खराब होने से बचाएगा और आपको ताजगी भरी महसूस होगी।

ब्लॉटिंग पेपर का उपयोग करने से आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा दिखेगा, जिससे आप पूरे दिन आत्मविश्वास से भरी रहेंगी।

हल्का पाउडर लगाएं

हल्का पाउडर लगाने से आपका मेकअप सेट रहता है और चिपचिपाहट नहीं होती। इसे अपने चेहरे पर हल्का-सा लगाएं, खासकर माथे, नाक और ठोड़ी पर, जहां सबसे ज्यादा तेल निकलता है।

पाउडर लगाने से आपका चेहरा न केवल साफ दिखेगा, बल्कि आपका मेकअप भी लंबे समय तक बरकरार रहेगा।

इसके अलावा पाउडर लगाने से पसीने और नमी से बचाव होता है, जिससे आप पूरे दिन ताजगी भरा महसूस कर पाएंगी।

नियमित ब्रेक लें

लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन देखने से आंखें थकी हुई लगती हैं और इससे आंखों का मेकअप भी बिगड़ सकता है। हर घंटे 5-10 मिनट का ब्रेक लें और अपनी आंखों को आराम दें।

इस दौरान अपनी आंखों को बंद करें या हल्का-सा मसाज करें। इससे आपकी आंखें तरोताजा रहेंगी और आपका मेकअप भी सही रहेगा।

इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने ऑफिस के काम करते समय भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

20 करोड़ के बजट में बनी शहनाज की फिल्म का रिकॉर्ड बनी 2026 की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग पंजाबी फिल्म

एक तरफ जहां हॉलीवुड स्पाईडर मैन-द ओडिसी और साउथ जन नायकन की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया हुआ है। वहीं पंजाबी फिल्म इश्कनामा ने भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई हुई है। फिल्म को फैंस ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। फिल्म में शहनाज गिल और जय रंधावा लीड रोल में हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस ने पसंद किया। फिल्म को अरविंद खैरा ने डायरेक्ट किया है। आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 80 लाख की कमाई की थी। दूसरे दिन फिल्म ने 1 करोड़ कमाए। तीसरे दिन फिल्म ने 1.40 करोड़ का कलेक्शन किया. चौथे दिन फिल्म ने 65 लाख की कमाई की। पांचवें दिन फिल्म ने 80 लाख का कलेक्शन किया। छठे दिन फिल्म ने 55 लाख कमाए. सातवें दिन 50 लाख का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले हफ्ते में 5.70 करोड़ का बिजनेस किया। आठवें दिन फिल्म ने 50 लाख की कमाई की। फिल्म को आठवें दिन 729 शोज मिले। फिल्म को 21 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली।

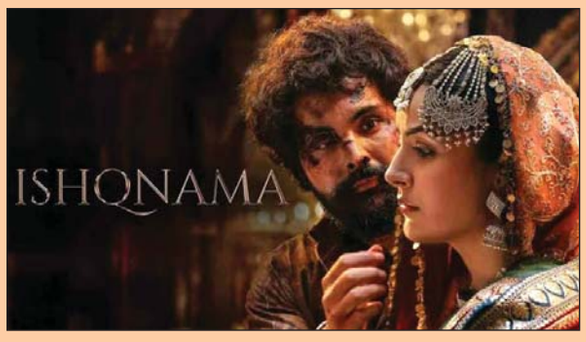

फिल्म ने टोटल 6.20 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 7.30 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने 31 परसेंट की बजट रिकवर कर लिया है। कोईमोई के मुताबिक, फिल्म 20 करोड़ के बजट में बनी है। अब फिल्म 2026 की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।

इश्कनामा ने एमी विर्क, बिन्नू ढिल्लों और सिमी चहल की बम्बुकट 2 को पछाड़ दिया है। फिल्म का अगला टारगेट इश्कन् दे लेखे है। हालांकि, अभी इस फिल्म का क्रॉस करना टफ टास्क है। लेकिन सेकंड वीकेंड में अगर फिल्म की कमाई बढ़ी तो फिल्म इश्कन् दे लेखे को पछाडऩे की तरफ बढ़ सकती है। इस लिस्ट में कैरी ऑन जट्टा 4 नंबर वन पर है। इस फिल्म ने 18.62 करोड़ की कमाई की थी। दूसरे नबंर पर रब्बा दा रेडियो 3 है। इस फिल्म ने 12.57 करोड़ की कमाई की थी। तीसरे नंबर पर इश्कन दे लेखे है। इस फिल्म ने 11.89 करोड़ की कमाई की थी। चौथे नबंर पर फिल्म 6.2 करोड़ की कमाई के साथ इश्कनामा है। पांचवें नंबर पर बम्बुकट 2 है। इस फिल्म ने 6.18 करोड़ की कमाई की थी.

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं असर छोडऩे वाले किरदार निभाना चाहती हूं : बरखा सिंह

बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है।

क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं।

बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है।

बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में आईआरएस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

नशा दीमक की तरह जीवन को खोखला कर देता है : मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशव्यापी 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के वर्चुअल शुभारंभ के साथ ही बलौदाबाजार- भाटापारा जिले में भी इस महाअभियान का शंखनाद हुआ। मुख्य अतिथि की आसंदी से राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि नशा एक दीमक की तरह है जो न केवल व्यक्ति को खोखला करता है, बल्कि उसके परिवार, माता-पिता के सपनों और भविष्य को भी तबाह कर देता है। बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने उपस्थित युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार व समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि देश में जितने भी बड़े परिवर्तन हुए हैं, वे युवाओं के दम पर ही संभव हुए हैं। युवाओं को नशे के चंगुल से मुक्त रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगानी होगी।

इस संकल्प अभियान के तहत आगामी 100 हफ्तों तक जिले भर में खेल, कला, संस्कृति और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशामुक्ति पर केंद्रित एक बेहद संवेदनशील व आकर्षक नाटिका का मंचन किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने युवाओं को संदेश में कहा कि नशा केवल व्यक्ति का नहीं, पूरे परिवार का विनाश करता है। हमारी युवा पीढ़ी को सही संस्कार और विचार अपनाकर अपने भविष्य को सुरक्षित करना होगा।

एक समृद्ध और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए युवाओं का व्यसनमुक्त होना अनिवार्य है। इस 100-साप्ताहिक अभियान में जिले के युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, खेल अधिकारी सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में युवा उपस्थित थे।

खास-खबर

सेवा सेतु केंद्रः सुशासन का सशक्त सेतु, जनसेवा का नया आयाम

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सेवा सेतु केंद्र सुशासन की प्रभावी कड़ी बन रही हैं। इसके माध्यम से आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं पहले की अपेक्षा अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेवा सेतु केंद्रों में आय, जाति, निवास सहित अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों एवं जनोपयोगी सेवाओं के लिए एकीकृत व्यवस्था विकसित की गई है, जिससे लोगों को विभिन्न कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली है। निर्धारित समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित होने से नागरिकों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है। कोरबा जिले के भैंसमा अंतर्गत ग्राम धौराभाठा निवासी चीन्हा राम (पिता छेरकु) को लंबे समय से जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इन महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अभाव में उन्हें विभिन्न शासकीय कार्यों एवं योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

कलेक्टर के निर्देशन में ग्रामीण आजीविका को मिली नई उड़ान

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार एवं पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के नेतृत्व में शुक्रवार को सुकमा विकासखंड के ग्राम पशु चिकित्सालय सुकमा क्षेत्र अंतर्गत गीदम नाला, नींबूपदर, मुलागुडा, भेलवापाल और झापरा में हितग्राहियों को निःशुल्क कुक्कुट इकाइयों का वितरण किया गया। इस दौरान 50 कुक्कुट इकाइयों का वितरण करते हुए प्रत्येक हितग्राही को 45 चूजे एवं 10 किलोग्राम दाना उपलब्ध कराया गया। शासन की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा आत्मनिर्भर आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना है। वितरण कार्यक्रम महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों की उपस्थिति में पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पशु चिकित्सालय सुकमा के डॉ. टेकेश्वर, भुवाल नेताम तथा मोबाइल वेटरनरी यूनिट की टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

स्मार्ट मीटर पर सरकार का जवाब, अधिक बिल के आरोपों को बताया गलत, सामने रखे आंकड़े

सरकार ने कहा- रायपुर सिटी रीजन में जुलाई माह में बिजली खपत 31.91 प्रतिशत घटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल में बढ़ोत्तरी वाले आरोपों के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने अधिकारिक आकंड़ों के साथ अपनी बात रखी है। सरकार ने दावा किया है कि जुलाई में बिजली उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है और इसका लाभ उपभोक्ताओं को मिला है। सरकार का दावा है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली खपत और बिल बढ़ने की बात तथ्यात्मक रूप से गलत है। विभाग के अनुसार, जुलाई 2026 में रायपुर सिटी रीजन में बिजली खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

रायपुर सिटी रीजन के जून एवं जुलाई 2026 के बिजली उपभोग के आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि जुलाई माह में बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जून 2026 में कुल बिजली खपत 131.27 मिलियन यूनिट (एमयू) थी, जो जुलाई में घटकर 89.38 मिलियन यूनिट रह गई। इस प्रकार एक माह में बिजली खपत में 31.91 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि अधिक बिजली उपयोग करने वाले सभी उपभोक्ता वर्गों में खपत के साथ-साथ उपभोक्ताओं की संख्या में भी कमी आई है। 600 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 64.23 प्रतिशत तथा उनकी

कुल बिजली खपत में 38.13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी प्रकार 401 से 600 यूनिट श्रेणी में उपभोक्ताओं की संख्या 33.99 प्रतिशत तथा बिजली खपत 32.58 प्रतिशत घटी है।

विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि राज्य शासन की हाफ बिजली बिल योजना का सकारात्मक प्रभाव उपभोक्ताओं के बिजली उपयोग के स्वरूप में दिखाई दे रहा है। जून माह में 400 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख 96 हजार 777 थी, जो जुलाई में बढ़कर 2 लाख 56 हजार 471 हो गई। यह 30.34 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं 400 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख 20 हजार 615 से घटकर 60 हजार 921 रह गई, जो लगभग 50 प्रतिशत की कमी है। इससे यह संकेत मिलता है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी बिजली खपत को 400 यूनिट के भीतर रखने का प्रयास किया, जिससे उन्हें शासन की राहतकारी योजना का लाभ मिल सके। आंकड़ों के अनुसार 0 से 100 यूनिट श्रेणी में उपभोक्ताओं की संख्या 53.12 प्रतिशत तथा 101 से 200 यूनिट श्रेणी में 51.79 प्रतिशत बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी का मौसम समाप्त होने, एयर कंडीशनर एवं कूलर जैसे विद्युत उपकरणों के उपयोग में कमी आने तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता का भी बिजली खपत में आई कमी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार रायपुर सिटी रीजन के आधिकारिक आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि जुलाई माह में बिजली की मांग में कमी आई है और उपभोक्ताओं ने अपनी बिजली खपत को नियंत्रित किया है। उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि बिजली उपयोग में आया यह परिवर्तन मुख्यतः मौसमी परिस्थितियों, ऊर्जा संरक्षण की प्रवृत्ति तथा राज्य शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभाव का परिणाम है।

आधिकारिक आंकड़ों का विश्लेषण यह भी दर्शाता है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब 400 यूनिट तक की श्रेणी में आ गए हैं, जिससे उन्हें शासन की राहतकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। उपलब्ध तथ्यों एवं आंकड़ों के आधार पर स्मार्ट मीटर के संबंध में प्रचलित विभिन्न प्रकार की भ्रांतियों की पुष्टि नहीं होती।

चिरमिरी क्षेत्र को नई रेल सौगात, 602 करोड़ की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई-निविदा (ई-टेंडर) आमंत्रित कर दी है। ईपीसी मोड पर होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 601.90 करोड़ है, और इसे दो वर्ष (730 दिन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह परियोजना उस मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले से जुड़ी है, जो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है। लंबे समय से इस अंचल के लोग बेहतर रेल सुविधा की मांग करते रहे हैं। नई लाइन बनने से चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों की रेल पहुंच और सुगम होगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ इस कोयला-समृद्ध क्षेत्र के औद्योगिक और व्यापारिक आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

क्या है परियोजना: यह कार्य पाराडोल टेकऑफ पॉइंट (किलोमीटर 947.257) से नागपुर रोड स्टेशन (किलोमीटर 964.820) तक नई ब्रॉडगेज सिंगल लाइन के निर्माण से संबंधित है। इसके साथ ही मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन का किलोमीटर 946.640 से 947.257 के बीच स्लूइंग (लाइन को नई दिशा में जोड़ने) का कार्य भी शामिल है। नई लाइन की कुल लंबाई करीब साढ़े सत्रह किलोमीटर होगी।

परियोजना के दायरे में केवल पटरी बिछाना ही नहीं, बल्कि बड़े पुल, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), एक वायाडक्ट पुल, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, ऑप्टिकल फाइबर केबल और विद्युतीकरण जैसे अनेक आधुनिक कार्य भी शामिल हैं।

बिलासपुर में 'नशा मुक्त भारत' अभियान का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा नशा मुक्त विकसित भारत राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत डी.एल.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक गरिमामय जिला स्तरीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऑनलाइन संबोधन को सुना और नशामुक्ति की शपथ ली।

कार्यक्रम में बेलतरा विधायक सुशान्त शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एल. पी. पटेरिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में कुलसचिव डॉ. तारणीश गौतम एवं डॉ. एच. एस. होता मौजूद रहे। अपने राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नशे को समाज का सबसे बड़ा शत्रु बताते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र के भविष्य का विनाश करता है। विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा जब देश की युवा शक्ति नशे से दूर रहकर शिक्षा, नवाचार, कौशल और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएगी।

प्रधानमंत्री ने इसे केवल सरकारी अभियान न मानकर एक राष्ट्रीय जनआंदोलन बनाने पर बल दिया और इसके लिए 100 सप्ताहों का क्रमिक लक्ष्य भी सुझाया। युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए विधायक सुशान्त शुक्ला ने कहा कि यदि युवा नशे की गिरफ्त में आते हैं तो राष्ट्र कमजोर होता है, लेकिन जब वही युवा खेल, शिक्षा और नवाचार का मार्ग चुनते हैं तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। कुलपति प्रो. एल. पी. पटेरिया ने अनुशासन, योग और ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों से न केवल स्वयं नशे से दूर रहने, बल्कि अपने समाज और परिवार को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

नशामुक्त युवा अभियान से जुड़ेगा बस्तर का युवा, मिलेगी नई ताकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के एमबीए भवन में रविवार को नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और नशामुक्ति की शपथ ली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में आज के

युवा ही देश की दिशा तय करेंगे, इसलिए उन्हें नशे जैसी बुराई से दूर रहना होगा।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नशा दीमक की तरह होता है, जो व्यक्ति के शरीर, मस्तिष्क और जीवन को धीरे-धीरे अंदर से खोखला कर देता है। उन्होंने बस्तर और जनजातीय क्षेत्रों में नशे के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज बनाने के लिए सरकार के साथ-साथ समाजसेवी संस्थाओं, युवा संगठनों और नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। उन्होंने भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और भगवान बिरसा मुंडा के योगदान का उल्लेख करते हुए युवाओं से अच्छे संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है और उसे अपने लक्ष्य से भटका देता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, अन्य अधिकारी, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

यह अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्तिः मंत्री ओपी चौधरी

'नशामुक्त युवादृविकसित भारत संकल्प अभियान' में युवाओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। स्वस्थ, जागरूक और नवाचार से जुड़ी युवा पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकती है। मंत्री चौधरी धमतरी के मराठा मंगल भवन में आयोजित 'नशामुक्त युवादृविकसित भारत संकल्प अभियान' में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन लाइव सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत की युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, कौशल, नवाचार, खेल और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री के संदेश का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि नशामुक्ति केवल सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। उन्होंने युवाओं से ज्ञान, तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपनाने तथा अपने परिवार और समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण प्राप्त 100 युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए। साथ ही प्रत्येक प्रशिक्षित युवा को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इस प्रकार कुल 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों, कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों तथा स्थानीय नवाचारों का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया।

अपने संबोधन में मंत्री चौधरी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है और यही युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा शीघ्र ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में हुई प्रगति से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को भ्रामक और नकारात्मक सामग्री से सतर्क रहना चाहिए। नशा युवा शक्ति, प्रतिभा और भविष्य को कमजोर करता है, इसलिए प्रत्येक युवा को इससे दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और नवाचार आधारित रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम को लोकसभा सांसद मती रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा एवं नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने भी संबोधित किया। उन्होंने नशामुक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर युवा शक्ति को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए युवाओं से समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनने का आग्रह किया।

सूक्ष्म सिंचाई योजना से खेती बनी अधिक लाभकारी, ड्रिप सिंचाई अपनाकर किसान ने बढ़ाया सब्जी उत्पादन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत संचालित सूक्ष्म सिंचाई योजना किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई प्रणालियों पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो रहा है। प्रगतिशील किसान आनन्द राम पैकरा ने सूक्ष्म सिंचाई योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मोबाइल के लिए डांटा तो 9वीं की छात्रा ने लगा ली फांसी

बोड़ला। मोबाइल चलाने से मना करने पर नवीं की छात्रा प्रगति मरकाम ने किराए के मकान में फांसी लगा ली। उसके पिता राजेश मरकाम और माता बोड़ला स्थित शासकीय छात्रावास में रसोइया का काम करते हैं। घटना वाले दिन प्रगति लगातार मोबाइल चला रही थी। ने उसे पढ़ाई पर ध्यान देने और मोबाइल न चलाने की हिदायत देते हुए डांट दिया। नाराज होकर बच्ची ने घर के कमरे में खुद को बंद कर लिया और फांसी लगा ली। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पैसे मांगने पर बिरयानी सेंटर के मैनेजर का सिर फोड़ा

रायपुर। पंडरी स्थित मद्रासी बाइट बिरयानी सेंटर में बिना पैसे बिरयानी ले जाने का विरोध करने पर एक बदमाश ने होटल मैनेजर के सिर पर बीयर की बोतल से जानलेवा हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल मैनेजर का इलाज जारी है। देवेंद्र नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश की जा रही है।

पुलिस ने 200 गुम मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए

भिलाई। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम 200 मोबाइल फोन साइबर सेल और थाना-चौकी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपए बताई गई। पुलिस नियंत्रण कक्ष, सेक्टर-06 में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग की मौजूदगी में मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत सौंपे गए। सीईआईआर पोर्टल, तकनीकी ट्रैकिंग, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं तथा अन्य राज्यों की पुलिस इकाइयों के समन्वय से मोबाइलों का पता लगाकर सुरक्षित बरामद किया गया।

बिजली विभाग की लापरवाही से दो जगहों पर भड़की आग

कोरबा। मानिकपुर और दादर इलाके में अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाओं ने बिजली विभाग की रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जर्जर खंभों और ट्रांसफार्मरों की मरम्मत नहीं की जा रही है। शनिवार को मानिकपुर की उरांव बस्ती और दादर के दामाद मोहल्ला में बिजली के खंभे पर लगे लाइन बॉक्स में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। करीब 15 मिनट तक बॉक्स से चिंगारियां निकलती रहीं और तेज धमाकों जैसी आवाजें सुनाई देती रहीं। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बाद में बिजली आपूर्ति स्वत: बंद हो गई, जिससे पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया।

मनरेगा घोटाला : बिना टेंडर के 10 गुना कीमत पर की खरीदी, ईओडब्ल्यू ने 20 साल की जांच के बाद पेश किया चार्जशीट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिना टेंडर 10 गुना अधिक दाम पर खरीदी करने के आरोप में एक जिला पंचायत सीईओ सहित आठ अधिकारियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने अपनी चार्जशीट पेश कर दी है। इसमें कहा गया है कि निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए आर्डर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया गया तथा संवाद की दरों से 10 अधिक दाम पर खरीदी की गई। यही नहीं जहां सामग्री की डिलीवरी तक नहीं हुई, वहां का भी भुगतान कर दिया गया।

आरोपियों में तत्कालीन कांकेर जिला पंचायत सीईओ केपी देवांगन के अलावा सात जनपद पंचायतों के तत्कालीन सीईओ भी शामिल हैं। ईओडब्ल्यू के अनुसार अधिकारियों ने निजी फर्मों से मिलीभगत कर बिना खुली निविदा के फ्लेक्सी बोर्ड, मस्टर रोल, रजिस्टर,

स्टेशनरी, टेंट और मेडिकल किट खरीदी। अरिहंत सप्लायर्स, हिन्द एजेंसी और गोलछा स्टेशनरी समेत चहेती फर्मों को तय दर से 10 गुना तक अधिक कीमत पर ऑर्डर दिए गए।

कई कार्यालयों में कुर्सियां, टेंट, बोर्ड और दूसरी सामग्री पहुंची ही नहीं, फिर भी बिल पास कर दिए गए। निविदा से बचने के लिए खरीदी को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा गया। इसके लिए 46 हजार और 49 हजार रुपए जैसे 50 हजार से कम राशि के बिल बनाए गए।

ईओडब्ल्यू के मुताबिक जिला पंचायत कांकेर में 39.90 लाख रुपए की अनियमितता मिली। जनपद पंचायतों में सबसे अधिक 51.98 लाख रुपए की गड़बड़ी कोयलीबेड़ा में सामने आई। इस मामले की जांच 2006 में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह ठंडे बस्ते में चली गई। अब आईजी अमरेश मिश्रा ने मामले की नए सिरे से जांच कराकर आरोप पत्र पेश किया है।

यातायात : जुलाई तक सड़क हादसों में घायल हुए 685, इनमें से 162 की मौत

- पिछले दो वर्षों की तुलना में कम हुआ मौत का आंकड़ा
- 2025 में इसी अवधि में हुई थी 225 लोगों की मौत
- यातायात सुरक्षा के प्रयासों को मिल रही सफलता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 2025 के मुकाबले साल 2026 के पहले सात महीनों में सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा एकाधिक मोर्चों पर लगातार काम किया गया जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। 2026 के पहले सात महीनों में 162 लोगों की सड़क हादसों में मौत हो गई जबकि पिछले साल इसी अवधि में 225 लोगों ने सड़क हादसों में अपने प्राण गंवाए थे।

यह खुलासा यातायात पुलिस द्वारा प्रस्तुत सड़क हादसों के रिपोर्ट कार्ड में हुआ है। यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान, जनजागरूकता, सघन प्रवर्तन एवं जोखिम वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी के परिणामस्वरूप वर्ष 2026 में सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

1 जनवरी से 31 जुलाई तक थानावार विवरण

थाना क्षेत्र	हादसे	घायल	मृतक	थाना क्षेत्र	हादसे	घायल	मृतक
सुपेला थाना	139	102	10	पाटन	29	20	04
भिलाई नगर	82	62	26	अंडा	12	07	06
मोहन नगर	70	51	02	अमोरा	11	08	05
वैशाली नगर	69	51	05	पुरानी भिलाई	20	17	03
जुनवानी	57	29	17	खुर्सीपार	20	17	03
जामुल	47	39	05	बोरसी	15	32	04
छावनी	42	30	06	स्मृति नगर	15	17	02
दुर्ग कोतवाली	36	33	03	जेवरा-सिरसा	14	13	01
उतई	35	32	08	अंजोरा	10	08	06
नंदिनी	37	34	15	रानीतराई	5	06	02
भिलाई-3	25	23	08	*इस दौरान सर्वाधिक सड़क हादसे सुपेला थाना क्षेत्र में हुए जबकि सर्वाधिक मौतें भिलाई नगर क्षेत्र में दर्ज की गईं।*			
पुलगांव	27	9	14				
नेवई	24	29	03				
कुम्हारी	27	17	03				

पुलिस ने उठाए ये कदम

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम, ब्लैक स्पॉट की सतत निगरानी, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता, औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा प्रशिक्षण, संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर विशेष निगरानी की गई।

जनवरी से जुलाई 2026 तक कुल 860 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 685 व्यक्ति घायल हुए तथा 162 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जबकि इसी अवधि में वर्ष 2025 में 225 तथा वर्ष 2024 में 213 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी। स्थानीय परिस्थितियों एवं यातायात के दबाव के अनुसार पुलिस एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग, दुर्घटना संभावित स्थलों की निगरानी, ओवरस्पीड, नशे में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट संबंधी प्रवर्तन कार्रवाई तथा जनजागरूकता अभियान संचालित किए गए। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

दो बाईक की टक्कर, सड़क पर गिरे सवारों को ट्रक ने कुचला, दो की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। दल्लीराजहरा मार्ग पर दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। भीषण टक्कर के बाद एक बाइक में आग लग गई जबकि सभी सवार छिटक कर सड़क पर जा गिरे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक उधर से निकला जिसकी चपेट में सड़क पर गिरे दो घायल आ गए। दोनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-930) पर दल्लीराजहरा मार्ग में हुआ, जहां तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर गिरे दो घायलों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद एक मोटरसाइकिल में आग लग गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तत्काल पुलिस तथा एंबुलेंस को सूचना दी। हादसे में घायल तीन लोगों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही बालोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही ट्रक चालक और दुर्घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने वाहन चालकों से सड़क पर सावधानी और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की है।

पुरानी रंजिश : पेट्रोल भरवाने गए युवक पर जानलेवा हमला, दो गिरफ्तार, तलाश जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रविवार रात को पेट्रोल भरवाने पहुंचे एक युवक पर पांच युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर डायल 112 तत्काल मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल पहुंचाया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

विधानसभा पुलिस के मुताबिक घटना सड्डू स्थित चावला पेट्रोल पंप की है। गुलाम यहां पेट्रोल लेने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान वहां उसकी मुलाकात सड्डू के ही रहने वाले दो युवकों से हुई। इन युवकों से उसका पुराना विवाद था। पेट्रोल पंप पर भी इनके बीच झगड़ा हो गया। इस पर आरोपी युवकों ने अपने दोस्तों को फोन कर मौके पर बुला लिया और फिर सबने मिलकर गुलाम के साथ मारपीट कर दी। इस हमले में गुलाम के सिर और हाथ में चोट आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की जानकारी डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची

और घायल युवक को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही विधानसभा थाना पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई।

सूचना मिलने के बाद विधानसभा पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां घायल युवक से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

विधानसभा सीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित से संपर्क किया गया है। आरोपियों और पीड़ित की पुरानी रंजिश की जानकारी मिली है। मामलें में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

प्रेमिका ने कर दी मां की हत्या, लाश ठिकाने लगाने में कलियुगी पुत्र ने दिया साथ, दुर्गंध ने खोला राज

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। एक कलियुगी बेटे ने अपनी प्रेमिका का जुर्म छिपाने के लिए अपनी मां की लाश को ठिकाने लगाने में उसका साथ दिया। दोनों परिवारों के बीच पुरानी अनबन थी। जब रेत की ढेर में दफ्नाई गई लाश से बदबू उठने लगी तो मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने साक्ष्य मिटाने के आरोप में मृतका के पुत्र और हत्या के अपराध में उसकी प्रेमिका और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई 2026 को सूचना मिली कि ग्राम बंदरचुआ रौतियाबस्ती स्थित हरावती बाई के घर से तेज दुर्गंध आ रही है और मकान पर बाहर से ताला लगा हुआ है। सूचना मिलते ही चौकी दोकड़ा पुलिस मौके पर

पहुंची। एफएसएल टीम और नायब तहसीलदार की मौजूदगी में घटनास्थल की जांच की गई। जांच के दौरान घर के पास निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के समीप रेत में दफन एक महिला का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान हरावती बाई (58 वर्ष) के रूप में हुई। मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस को मृतका का बेटा भूषण राम संदिग्ध लगा। मां की मौत के बाद अंतिम संस्कार और पंचनामा की कार्रवाई से उसका दूर रहना पुलिस के संदेह का कारण बना। तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में भूषण राम ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली श्यामपति बाई से उसका पिछले पांच वर्षों से प्रेम संबंध था। वहीं उसकी मां हरावती बाई और श्यामपति बाई के परिवार के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद भी चल रहा था।

पुलिस जांच में सामने आया कि 24 जुलाई की रात श्यामपति बाई और उसकी मां बुधमति बाई ने मिलकर हरावती बाई की गला दबाकर हत्या कर दी। अगले दिन भूषण राम को घटना की जानकारी दी गई और उससे किसी को कुछ नहीं बताने के लिए कहा गया। तीनों ने मिलकर रात के समय शव को घर से निकालकर पास के निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के समीप गड्ढा खोदा और रेत में दफनाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया।

जांच पूरी होने के बाद भी थानों में दबे हैं लगभग डेढ़ लाख मामले, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने जांच पूरी हो जाने के बाद भी 1,45,097 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट अदालत में दाखिल नहीं कराए जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की है। डीजीपी के हलफनामा में इसका खुलासा होने के बाद कोर्ट ने ताजा स्टेटस रिपोर्ट मांगा है।

प्रदेश के पुलिस थानों में जांच पूरी होने के बावजूद 1,45,097 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट अब तक अदालतों में पेश नहीं की गई है। डीजीपी के शपथपत्र से ये खुलासा होने के बाद हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले लंबित मामलों की स्थिति मांगी है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई 18 अगस्त को होगी। कोर्ट ने डीजीपी को नए शपथपत्र में बताने को कहा है कि जांच पूरी हो चुके कितने मामलों की क्लोजर रिपोर्ट संबंधित अदालतों में पेश की गई और कितने अब भी लंबित हैं। योगेंद्र बाबू शर्मा की तीन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने 10 अप्रैल और 5 मई 2026 को डीजीपी से शपथपत्र मांगा था। इसमें बताया गया कि 15 जून तक प्रदेश में ऐसे 1 लाख 47 हजार 714 मामले थे जिनकी जांच पूरी हो चुकी थी, लेकिन क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट नहीं भेजी गई थी। लंबित मामलों और फाइलों का डेटा इतना अधिक था कि पुलिस विभाग को इसे सीलबंद लिफाफे में पेन ड्राइव के जरिए कोर्ट में जमा करना पड़ा। इसके बाद चलाए गए अभियान में 20 मई से 16 जुलाई के बीच केवल 2,617 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट पेश की जा सकी।

नाबालिगों को लिफ्ट देना पड़ा भारी, चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। अगर ऐसा ही होता रहा तो कोई किसी पर तरस नहीं खाएगा। एक चौकीदार ने दो नाबालिगों को अपनी बाइक पर लिफ्ट दी। दोनों में रास्ते में उन्हें लूटने का प्रयास किया। जब चौकीदार ने विरोध किया तो उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। मौके पर ही उस नेकदिल इंसान की मौत हो गई।

जांजगीर-चांपा जिले की चांपा रोड पर रविवार रात करीब 10:24 बजे लिफ्ट मांगकर लूट की नीयत से दो नाबालिगों ने 52 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी। सिटी कोतवाली पुलिस ने दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान राधेश्याम सूर्यवंशी के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार, राधेश्याम सूर्यवंशी खोखरा गांव के निवासी थे और कुलीपोटा स्थित एक कबाड़ी की दुकान में चौकीदार के रूप में कार्यरत थे। रविवार रात करीब 9:30 बजे वह मोटरसाइकिल से ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान कचहरी चौक के पास दो नाबालिगों ने आगे जाने के लिए उनसे लिफ्ट मांगी। नेकदिल राधेश्याम को उनपर तरस आ गया।

जब वे मेगा मार्ट के पास पहुंचे तो बाइक पर पीछे बैठे दोनों नाबालिगों ने उनसे पैसों की मांग की। आरोप है कि इसी दौरान चलती बाइक पर ही चाकूनुमा हथियार से उन पर हमला कर दिया। राधेश्याम ने बाइक रोककर विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर कई बार चाकू से वार किए।

गंभीर रूप से घायल राधेश्याम सड़क पर गिर पड़े और दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें लहूलुहान हालत में देखा और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

धमतरी में कोटवार समेत तीन की मौत

धमतरी। रविवार को एक कोटवार समेत तीन लोगों की अलग-अलग हादसों में मौत हो गई। अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम काशीपुरी के कोटवार संतराम देवदास 27 जुलाई को मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। पुरी के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। एक निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई। वहीं अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम परेवाडीह में दिव्यांग विक्रम कुमार साहू को जहरीले करैत सांप ने डस लिया। जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। वहीं भाखारा के भेंडरा में टुकेश विश्वकर्मा अपने घर पर ही सुबह मृत मिला। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

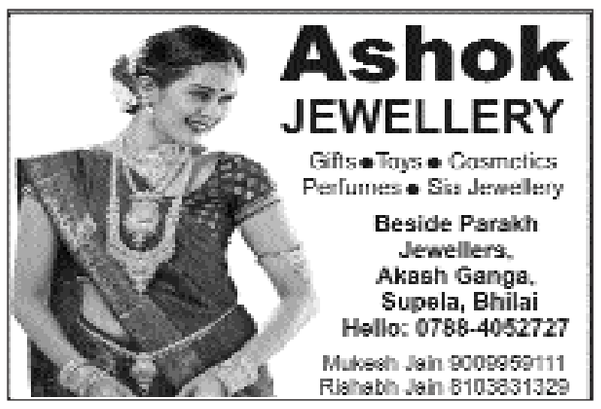

प्रभु श्रीराम ने की थी बस्तर में शिवजी की स्थापना एवं पूजा

बस्तर में मौजूद भगवान शिव का एक प्रसिद्ध मंदिर दूरदराज से आने वाले पर्यटकों के लिए श्रद्धा के साथ आकर्षण का केंद्र है

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर में मौजूद भगवान शिव का एक प्रसिद्ध मंदिर दूरदराज से आने वाले पर्यटकों के लिए श्रद्धा के साथ आकर्षण का केंद्र है। रामपाल गांव के इस मंदिर में करीब 220 साल पुरानी घंटी लगी हुई है, इस घंटी में 1806 लंदन लिखा हुआ है। लोग बताते हैं कि तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर ने यह घंटी मंदिर में चढ़ाई थी, तब से यह घंटी मंदिर के प्रांगण में लगी हुई है। इसका वजन करीब 15 किलो है। लोहे से बनी इस घंटी में कभी जंग नहीं लगती। कहा जाता है कि अपने 14 साल के वनवास के दौरान जब भगवान राम दंडकारण्य से गुजर रहे थे तबउन्होंने यहां मौजूद शिवलिंग में पूजा-अर्चना की थी। इसलिए बस्तर के प्रसिद्ध शिवधाम में से एक रामपाल गांव को रामवनगमन पथ से भी जोड़ा गया है।

पाँचवीं सदी के अवशेषों से जुड़ी मान्यताएँ

पुरातत्व के जानकार कहते हैं कि, मंदिर के आसपास खुदाई के दौरान ग्रामीणों को जो ईंट मिली है, वह पांचवीं सदी की है। इसके अवशेष आज भी मंदिर में मौजूद हैं। मान्यता है कि शिवलिंग प्रभु श्रीराम द्वारा स्थापित की गई है। ग्रामीणों के अनुसार शिवलिंग के दर्शन हुए तब से यहां के ग्रामीणों से चंदा एकत्र कर शिवरात्रि के दौरान मेला का आयोजन कर बाबा लिंगेश्वर की पूजा अर्चना करते हैं।

कांवड़ यात्रा व होंगे धार्मिक अनुष्ठान

रामपाल मंदिर के पुजारी कैलाश ठाकुर ने बताया कि, पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सावन माह में रामपाल मंदिर में कांवड़ यात्रा एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

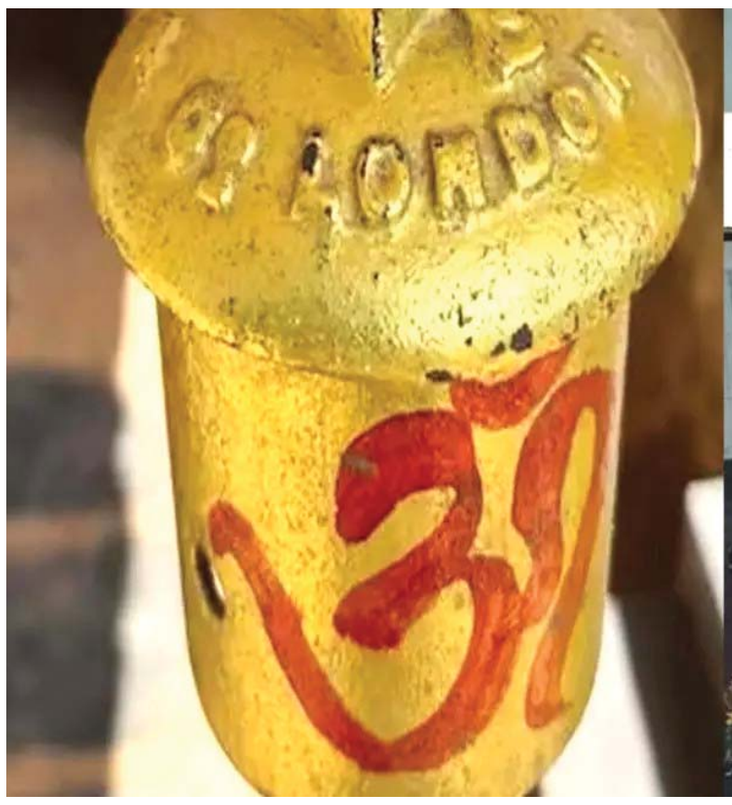

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना

इतिहास असिस्टेंट प्रोफेसर ओम प्रकाश सोनी ने बताया कि यह शिवलिंग नल काल का है तथा यहां स्थित शिवालय का निर्माण पांचवीं छठी शताब्दी में हुआ था। उस समय दंडकारण्य क्षेत्र शैव साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता था। इसी कारण उस कालखंड में गांव-गांव में शिव मंदिरों का निर्माण हुआ। विशेष बात यह है कि पांचवीं छठी शताब्दी का यह प्राचीन शिवालय आज भी पूजित है और श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

शिव के उपासक हैं बस्तर के ग्रामीण

बस्तर को आदिकाल से ही शिवधाम कहा जाता है, यहां के ग्रामीण भगवान शिव और भगवान राम की सैकड़ों सालों से उपासना करते आ रहे हैं। यही वजह है कि बस्तर में हजारों की संख्या में भगवान शिव के मंदिर हैं और सभी मंदिर की अलग-अलग विशेषताएं हैं। जगदलपुर शहर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रामपाल का शिव मंदिर भी प्रसिद्ध है और इंदावती नदी के पास मौजूद मंदिर में खुदाई के दौरान शिवलिंग मिला था। इस शिवलिंग की गोलाई लगभग 3 से 4 फीट है और कुछ साल पहले की जांच में लगभग 30 फीट से अधिक गहराई पाई गई। ग्रामीण इस शिवलिंग को अटल शिवलिंग कहते हैं जो जमीन की नाभि से मिलता है।

आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने बताया कि उनके गृह ग्राम के समीप स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर मेरे लिए केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र भी है। बाल्यकाल से ही में यहां भगवान शिव की आराधना करता आया हूं। यह मंदिर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

14 साल में और विराट हुए भूतेश्वर महादेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के मरौदा स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव (भकुर्रा महादेव) धाम को लेकर वर्षों से यह मान्यता रही है कि यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग का आकार लगातार बढ़ रहा है। हरिभूमि ने वर्ष 2012 और 2026 में ली गई तस्वीरों का तुलनात्मक अध्ययन किया। मंदिर समिति से पुरानी तस्वीरें हासिल कीं। दोनों तस्वीरों में शिवलिंग का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक विशाल दिखाई देता है।

मंदिर समिति और स्थानीय लोगों का भी कहना है। शिवलिंग का आकार हर वर्ष धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मंदिर समिति के अनुसार महाशिवरात्रि पर प्रतिवर्ष शिवलिंग की ऊंचाई और मोटाई का मापन किया जाता है तथा हर साल इसमें वृद्धि दर्ज की जाती है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां बड़ी संख्या

में श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

भकुर्रा नाम के पीछे है अनोखी कहानी

भूतेश्वरनाथ महादेव समिति मरौदा के उपाध्यक्ष बाबूलाल चन्द्रवंशी (सिंधौला) एवं शंभूराम हल्बा (मरौदा) ने बताया कि, लगभग 30 वर्ष पहले जहां आज भगवान भूतेश्वर महादेव विराजमान हैं, वह स्थान गौठान हुआ करता था। वहां केवल नंदी जी की प्रतिमा थी। उस समय वहां से गुजरने वाले लोगों को रहस्यमयी हुंकार जैसी आवाज सुनाई देती थी। उन्होंने बताया कि उस समय सिरकट्टी के महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास तथा परेवा गांव के संत पवन दीवान ने इस चट्टान को स्वयंभू शिवलिंग बताते हुए इसकी पहचान कराई। छत्तीसगढ़ी भाषा में हुंकारने की आवाज को 'भकुर्रा' कहा जाता है, इसलिए इसका नाम भकुर्रा महादेव पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने यहां नियमित पूजा-अर्चना शुरू की। महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास ने यहां शिवरात्रि पर मानस यज्ञ की शुरुआत कराई, जिसके बाद यहां मेले की परंपरा भी प्रारंभ हुई।

25 फीट खोदने के बाद भी नहीं मिली कौही शिव की जड़ें, पाताल तक धंसा हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। रानीतराई से तीन किलोमीटर दूर खारून नदी के तट पर स्थित ग्राम कौही का प्राचीन शिव मंदिर धार्मिक और सामाजिक एकता का पर्याय बन चुका है। यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता इसका लगातार बढ़ता आकार है। वर्तमान में शिवलिंग की ऊंचाई लगभग छह फीट व परीधि पांच मीटर है। खुदाई के बाद से लेकर अब तक स्वयंभू शिवलिंग का दूसरा छोर नहीं मिला है। मंदिर स्थापना और शिवलिंग को लेकर जनश्रुति है कि क्षेत्र के पुराना गांव प्रमुख पटेल मालगुजार को खुदाई करते समय यह शिवलिंग मिला था।

महाकाली एवं हनुमान मंदिर परिसर धर्म नगरी कौही समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू, सचिव राजेश साहू, कोषाध्यक्ष हेमलाल साहू, उपाध्यक्ष सुनीता यदु, मुकेश साहू, नारायण साहू ने बताया कि खारून नदी के किनारे 11 एकड़ भू-भाग में फैले मुख्य मंदिर में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग खुदाई करते हुए खंडित हो गया था। तब पुराने मलागुजार गांव प्रमुख पटेल को स्वप्न में महादेव से साक्षात्कार हुआ। स्वयंभू शिवलिंग के साथ मंदिर निर्माण का आदेश प्राप्त हुआ। जिसके बाद ग्राम प्रमुख पटेल पटेल ने जन सहयोग से मंदिर की निर्माण कराया।

भोले के द्वार... आस्था अपार

सावन के पहले सोमवार पर छत्तीसगढ़ के शिवालयों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना होगी। सावन के पहले पावन सोमवार को हरिभूमि लेकर आया है छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिवधामों की विशेष ग्राउंड रिपोर्ट, जहां आस्था, इतिहास और अनूठी मान्यताएं भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

25 फीट तक की गई खुदाई

मंदिर निर्माण के पूर्व लगभग 20 से 25 फीट खुदाई की गई, लेकिन शिवलिंग का अंतिम छोर नहीं मिला। इस मंदिर परिसर मे 21 देवी देवताओं का मंदिर स्थापित हैं, जो कई समाजों ने मंदिर समिति के सहयोग से स्थापित किया है। इस सावन कौही समिति और ग्रामवासियों के सहयोग से बोल बम कांवरिया सावन मेला एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया है। सावन के अंतिम सोमवार को मंदिर कौही में विराजे स्वयंभू शिवलिंग की विशेष पूजा-अर्चना होगी। रुद्राभिषेक व हवन पूजन का आयोजन किया गया है। इस गांव के नदी किनारे शिव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन दिनों तक मेला लगता है।

शिक्षा से विकसित छत्तीसगढ़ तक: मुख्यमंत्री साय ने नीट क्वालीफाई विद्यार्थियों के साथ साझा किया भविष्य का रोडमैप

मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों के सवालों का विस्तार से दिया जवाबः शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन, रोजगार, सुशासन, नशामुक्ति और विकसित छत्तीसगढ़ के विजन पर रखे विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रयास आवासीय विद्यालयों के नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री निवास में स्वागत करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रदेश में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के गरीब एवं आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों ने नीट जैसी कठिन परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 17 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों का उद्देश्य दूरस्थ, आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इस सफलता में उनके माता-पिता का आशीर्वाद, गुरुजनों का समर्पण और विद्यार्थियों की कठोर मेहनत समान रूप से शामिल है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आप सभी भविष्य के डॉक्टर हैं। समाज में डॉक्टर का स्थान भगवान के बाद माना जाता है। भगवान हमें जन्म देते हैं और डॉक्टर जीवन बचाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे केवल कुशल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, व्यवहारिक और मिलनसार डॉक्टर भी बनें। उन्होंने कहा कि मरीज के साथ अच्छा व्यवहार स्वयं कई बीमारियों के उपचार का माध्यम बन जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज, प्रदेश और देश की सेवा को अपना सर्वोच्च दायित्व मानने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज शिक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अपनी संघर्षपूर्ण शिक्षा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज विद्यार्थियों को शासन की ओर से पहले की तुलना में कहीं अधिक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए प्रदेशभर में नालंदा परिसर संचालित किए जा रहे हैं तथा 34 नए नालंदा परिसर निर्माणाधीन हैं, जहां सातों दिन 24 घंटे ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। वहां विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि इसी वर्ष ट्रायबल यूथ हॉस्टल के 13 विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य निर्माण के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज निजी एवं शासकीय संस्थानों को मिलाकर 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। राज्य सरकार पांच नए मेडिकल कॉलेज भी स्थापित कर रही है, जिससे एमबीबीएस की 250 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज देशभर में करोड़ों लोगों ने नशा नहीं करने की शपथ ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह अभियान स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जो आगामी दो वर्षों तक संचालित होगा तथा इसमें माय भारत वालंटियर्स सहित बड़ी संख्या में युवा सहभागी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि युवा स्वस्थ, संस्कारित, परिश्रमी और नशामुक्त रहेंगे तो स्वस्थ छत्तीसगढ़ और स्वस्थ भारत का निर्माण संभव होगा। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क दोनों को प्रभावित करता है, अपराध को बढ़ावा देता है, पारिवारिक संबंधों को कमजोर करता है तथा पूरे परिवार को संकट में डाल देता है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

जगदलपुर प्रयास आवासीय विद्यालय की छात्रा नेल्सा के प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के संसाधनों को लगातार बढ़ा रही है। प्रयास आवासीय विद्यालय इसका एक उदाहरण हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रमिक परिवारों के बच्चे यदि विदेश में अध्ययन करना चाहते हैं तो उनका संपूर्ण व्यय राज्य सरकार वहन करती है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला मुख्यालयों एवं प्रमुख शहरों में 34 नालंदा परिसर निर्माणाधीन हैं, जहां सातों दिन 24 घंटे ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि अब बस्तर और सरगुजा में पर्यटन की अपार संभावनाएं विकसित हो रही हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़ और रानीदाह जैसे प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के साथ अबूझमाड़ का विशाल वन क्षेत्र विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व के 60 देशों के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों में बस्तर के धुड़मारास को स्थान दिया गया है। नई उद्योग नीति 2024-30 में पर्यटन क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है तथा होमस्टे योजना के माध्यम से जनजातीय परिवारों को पांच कमरों के मकान निर्माण के लिए ऋण एवं अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भोरमदेव मंदिर को भारत सरकार की प्रसाद योजना में शामिल किया गया है, जिसके लिए 168 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। साथ ही दंतेश्वरी, बम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, महामाया एवं बागेश्वरी शक्तिपीठों का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। राम वन गमन पथ के माध्यम से भगवान श्रीराम से जुड़े स्थलों का विकास भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बस्तर में पर्यटन उद्योग के माध्यम से लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

महासमुंद के छात्र हेमंत यादव के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। यह देश के मध्य में स्थित राज्य है और चारों महानगरों से बेहतर संपर्क रखता है। प्रदेश खनिज संपदा से समृद्ध है। देश के लगभग 19 से 20 प्रतिशत लौह अयस्क का उत्पादन छत्तीसगढ़ में होता है। यहां कोयला, बॉक्साइट, हीरा, सोना, लिथियम और यूरेनियम जैसे बहुमूल्य खनिज उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद सुरक्षा शिविरों को सेवा डेरे के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां स्कूल, अस्पताल और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश बिजली उत्पादन में सरप्लस राज्य है। वर्तमान में लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है तथा ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 3.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए हैं, जिनसे भविष्य में अतिरिक्त 30 हजार मेगावाट उत्पादन होगा। इससे रोजगार और राजस्व दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है तथा 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सिंचाई योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। बस्तर संभाग में देउरगांव और मटनार सिंचाई परियोजनाओं पर लगभग 1700 करोड़ रुपये तथा सिकासार-कोड़ार पाइपलाइन परियोजना पर लगभग 2500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950